हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कणवघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-11 अंक-24 हरिद्वार, शुक्रवार, 01 नवम्बर, 2024 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

राज्य के स्थानीय उत्पादों की आपूर्ति के लिए उत्तराखण्ड सरकार और आईटीबीपी के बीच हुआ एमओयू

स्थानीय आजीविका बढ़ाने में अहम भूमिका निभायेगा यह समझौता : सीएम

देहरादून, संवाददाता। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और पशुपालन मंत्री श्री सौरभ बहुगुणा की उपस्थिति में बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखण्ड सरकार और आईटीबीपी के मध्य समझौता किया गया। वाइब्रेंट विलेज योजना के अन्तर्गत आईटीबीपी की उत्तराखण्ड में तैनात वाहिनी के लिए स्थानीय उत्पादों जिन्दा बकरी/भेड़, चिकन और मछली की आपूर्ति के लिए किये गये समझौता ज्ञापन पर उत्तराखण्ड शासन से सचिव डॉ. बी.वी.आर.सी पुरूषोत्तम और आईटीबीपी से आईजी श्री संजय गुंज्याल ने हस्ताक्षर किये।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस समझौते से जहां स्थानीय स्तर पर लोगों की आजीविका बढ़ेगी, उन्हें लगेगा कि किसी न किसी रूप में हम देश की सुरक्षा से जुड़े हैं। इससे स्थानीय लोगों का आईटीबीपी के साथ सम्पर्क भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में रहने वाले लोग देश के प्रहरी हैं। राज्य के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए आईटीबीपी ब्रांड एंबेसडर की भूमिका में कार्य करेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि राज्य के स्थानीय उत्पादों की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में रहे। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी को सब्जियां, दूध, पनीर, अण्डा की आपूर्ति की व्यवस्था भी राज्य से किये जाने की दिशा में योजना बनाई जाए।

पशुपालन मंत्री श्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि पशुपालकों और मत्स्य पालकों की आजीविका में वृद्धि के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसके लिए उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे पलायन को रोकने में भी मदद मिलेगी।

इस समझौते से प्रदेश की लगभग 80 से अधिक सहकारी समितियों के माध्यम से लगभग 11 हजार से अधिक पशुपालकों को सीधा लाभ मिलेगा। जिसमें प्रमुख रूप से 7 हजार महिलाएं शामिल हैं। भेड़-बकरी पालकों में 10 हजार पशुपालक, कुरकुट की आपूर्ति से लगभग 800 से अधिक एवं मछली आपूर्ति के लिए 500 से अधिक मछली पालकों को इसका लाभ मिलेगा। उत्तराखण्ड में यह पहला मौका है जिसमें इतनी बड़ी संख्या में भेड़, बकरी, मछली एवं मुर्गीपालकों को विपणन हेतु बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे सालाना 200 करोड़ के कारोबार का अनुमान है।

इस अवसर पर सचिव श्री शैलेश बगोली, श्री दिलीप जावलकर एवं आईटीबीपी के अधिकारी उपस्थित थे।

एलआईयू कांस्टेबल गंगा में डूबकर लापता

हरिद्वार , संवाददाता। कनखल क्षेत्र के ठोकर नंबर दस बैरागी कैंप में एलआईयू का एक सिपाही सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में डूबकर लापता हो गया। सिपाही के डूबने की सूचना मिलने पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। जल पुलिस सर्च ऑपरेशन में जुट गई है। एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह समेत आला अफसर मौके पर पहुंच गए। मायापुर क्षेत्र में एलआईयू का कार्यालय है। कार्यालय में कांस्टेबल के पद पर तैनात 43 वर्षीय तिरपन नेगी सोमवार को ड्यूटी पर नहीं पहुंचा। कार्यालय स्टॉफ ने उससे संपर्क साधना चाहा लेकिन संपर्क नहीं हो सका। दोपहर बाद एक युवक ने पुलिस कंट्रोल रूम को कांस्टेबल के गंगा की मुख्य धारा में डूबकर बहने की सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एलआईयू के निरीक्षक नीरज यादव, एसओ कनखल मनोज नौटियाल तत्काल मौके पर पहुंच गए।

कांस्टेबल के दो बेटे-एक बेटी

मूल रूप से गांगरो तहसील कालसी विकास नगर देहरादून का रहने वाला तिरपन नेगी यहां एलआईयू कार्यालय के बगल में बनी पुलिस बैरक में रहता है। उसका परिवार अपने गांव में ही रहता है। उसके दो बेटे और एक बेटी है। उसका छोटा भाई भी फायर स्टेशन उत्तरकाशी में तैनात बताया जा रहा है।

गंगा नहाने के लिए पहुंचा था कांस्टेबल

एलआईयू कांस्टेबल नहाने के लिए गंगा की मुख्य धारा में गया था। मौके पर उसके कपड़े और मोबाइल फोन भी मिला है। जहां वह डूबा है, वहां पानी काफी गहरा है। उसकी तलाश में एसडीआरएफ भी पहुंच गई। एसओ मनोज नौटियाल ने बताया कि कांस्टेबल नहाने के लिए पहुंचा था, यहां बात प्रारंभिक पड़ताल में निकलकर आ रही है। बताया कि तेज बहाव में वह बह गया। गंगा में जल स्तर अधिक है, इसलिए उसे तलाशने में मशक्कत करनी पड़ रही है। जल पुलिस और एसडीआरएफ संयुक्त् स्तर से तलाश में जुटे है। बताया कि अन्य गंगा घाटों पर जल नहीं है, इसलिए ही कांस्टेबल यहां नहाने के लिए पहुंचा होगा।

शहरी विकास मंत्री ने किया निर्माणाधीन गौशाला और पार्क का निरीक्षण

हरिद्वार , संवाददाता। शहरी विकास मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने नगर निगम की ओर से सराय क्षेत्र में निर्माणाधीन गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ एक माह के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही गौशाला की दीवारों को ऊंचा करने के निर्देश दिए। मंत्री को निगम अधिकारियों ने बताया कि गौशाला 1.70 करोड़ की लागत से डेढ़ एकड़ में बनाई जा रही है। इसमें 300 निराश्रित पशुओं को रखने की व्यवस्था है। इसमें पशु चिकित्सक की भी तैनाती की जाएगी। साथ ही पशुओं के लिए चारे इत्यादि की व्यवस्था की जाएगी। बताया कि 200 और निराश्रित पशुओं के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

संस्कृति, विज्ञान और साहित्य गतिविधियों का आयोजन हुआ

हरिद्वार , संवाददाता। दीवाली के अवसर पर केंद्रीय विद्यालय बीएचईएल में संस्कृति, विज्ञान और साहित्य गतिविधियों का आयोजन हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपनी त्रिगुणात्मक प्रतिभा दिखाई। केंद्रीय विद्यालय बीएचईएल में आयोजित प्रार्थना सभा में कक्षा आठ के विद्यार्थियों ने बुराई के प्रतीक रावण को परास्त कर भगवान राम के अयोध्या लौटने के रंगारंग नाट्य प्रदर्शन किया। साथ ही कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों की वैज्ञानिक रुचि को बढ़ावा देने और विज्ञान प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए राज्य बाल वैज्ञानिक प्रदर्शिनी 2024-25 का आयोजन हुआ।

महंत गोविंददास का निधन समाज के लिए बड़ी क्षति : महंत विष्णुदास

हरिद्वार , संवाददाता। श्री रामानन्दीय श्री वैष्णव मंडल ने श्रद्धा भक्ति आश्रम के साकेतवासी महंत गोविंददास महाराज का भावपूर्ण स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। रविवार को श्रवणनाथ नगर स्थित रामानन्द आश्रम में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए श्रीमहंत विष्णुदास महाराज ने कहा कि महंत गोविंददास एकान्त प्रिय एवं संत सेवी महात्मा थे। उनका निधन समस्त समाज के लिए बड़ी क्षति है। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए धर्म संस्कृति के संरक्षण संवर्द्धन में योगदान का संकल्प ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। वैष्णव मंडल के अध्यक्ष बाबा हठयोगी ने कहा कि महंत गोविंददास बहुत व्यवहारिक एवं उत्कृष्ट संत थे। सनातन धर्म संस्कृति के प्रति उनका योगदान सदैव सभी को प्रेरणा देता रहेगा।

समारोह में 24 टॉपर्स विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिए

हरिद्वार , संवाददाता। आईटीआई जगजीतपुर में दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में 24 टॉपर्स विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी और एनसीवीटी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। रविवार को आयोजित समारोह में किर्बी इंटरनेशनल के एचआर हेड धीरेंद्र चौहान और मीनाक्षी पॉलिमर्स के एचआर हेड प्रवीण शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान प्राचार्य अमित कुमार कल्याण ने छात्रों को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इस मौके पर कार्यदेशक सुशील कुमार, यशपाल सिंह, प्रियंक त्यागी, मुनेश कुमार, योगेश तायल, दिनेश कुमार, पूजा नेगी, रेश्मा चौहान, संगीता बेलवाल, ईश्वर दत्त शर्मा आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

वायु प्रदूषण रोकने के लिए पेड़ों को बचाना भी जरूरी

यह सच है कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में हरियाली को सदैव ही रौंदा गया है। यही कारण है कि हरियाली हमारे देश में पक्के निर्माण की तुलना में तेजी से पिछड़ी हैं जबकि बढ़ती आबादी और ग्रीन हाउस गैसों की तुलना में इस पर हमारा ध्यान समानरूप से बराबर होना चाहिए। पिछले एक दशक के दौरान देश के प्रमुख शहरों में ही शहरी पक्के निर्माण पांच सौ गुना बढ़े हैं तो इसके अनुपात में हरियाली केवल दो प्रतिशत तक ही सिमट गई है यह शर्मनाक है। पेड़ कटने के मामले दुनियाभर में तेजी से बढ़े हैं। वैसे एक अध्ययन भी बताता है कि वर्ष 1990 से अबतक विश्वभर में 3 प्रतिशत पेड़ घट गए हैं और यह रफ्तार अभी भी थमी नहीं है। हरियाली के विनाश का कारण जंगल की आग भी है पिछले कुछ वर्षों में हमारे यहां के जंह्गल आग के कारण बुरी तरह प्रभावित हुए हैं केवल उत्तराखंड में 3185 हैक्टेयर जंगल फरवरी माह से अब तक नष्ट हो चुका है इसी प्रकार हरियाणा में भी लगभग 4500 हैक्टेयर जंगल इसी तरह बर्बाद हुआ है वहीं उत्तराखण्ड में भी हर साल कई हैक्टेयर जलकर खाक होते रहते हैं। देखा गया कि जहां सर्वाधिक जंगल हैं वहीं अतिक्रमण सर्वाधिक हुए। अभी ऑल वेदर रोड़ के लिए कई पेड़ काटे गए। पेड तो काटे गये लेकिन उतने ही पेड़ों को लगाने के लिए क्या हम संकल्पबद्ध हैं। विकास इसे ही कहा जाता है, पर सांस लेने और वायु प्रदूषण से बचने के लिए बड़े पेड़ भी जरूरी हैं जिन्हें बचाया जाना चाहिए। बढ़ती आबादी, बढ़ते प्रदूषण और बढ़ते शहर के आकार के चलते बढ़ती हरियाली की चिंता भी तो कीजिए।

तमसो मा ज्योतिर्गमय

भारत त्यौहारों का देश है। ये पर्व भारतीय संस्कृति को परिलक्षित करते हैं। तमसो मा ज्योतिर्गमय का दिव्य संदेश देने वाला पर्व दीपावली है। हमारे देश में दीपावली को भिन्न-भिन्न रूपों में बड़ी धूमधाम से मनाये जाने की परंपरा वर्षों से कायम है, जो देश के बाहर निवास करने वाले उपनिवेशी भारतीयों में भी समान रूप से लोकप्रिय है। दीपावली हमारा सांस्कृतिक एवं धार्मिक पर्व है। इसके संबंध में अनेक कथाएं प्रचलित हैं। जनसामान्य की धारणा में दीपावली का संबंध मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम से है, जो चौदह वर्ष बाद रावण का वध करके अयोध्या लौटे थे। उनके स्वागत में लोगों ने दीप जलाए थे। दीपावली के संबंध में महाकाली द्वारा असुरसंहार का भी आख्यान है। जैन धर्म अनुयायियों के लिये भी दीपावली एक विशेष पर्व है। जैन यह पर्व अपने अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर की मोक्ष प्राप्ति के उपलक्ष्य में मनाते हैं। यह सिखों का भी अत्यंत ही महत्वपूर्ण पर्व है। प्राचीन काल से ही हमारी संस्कृति की एक खास विशेषता रही है कि इसे न सिर्फ संस्कृति, बल्कि बौद्धिक एवं नैतिक मूल्यों से भी जोडने़ की सार्थक कोशिश की गई है। यही कारण है कि वर्तमान समय में तमाम उपभोक्तावादी माहौल के बीच कुछ हद तक मिट्टी की सोंधी महक शेष बची है। दीपावली जो अपने आप में कई अर्थ समेटे हुए है। लेकिन प्रमुख अर्थ में यह ज्योति की तरफ इंगित करती है। दीप हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं, जीवन की समग्रता का प्रतीक हैं। यह जहां भी जलता है जब भी जलता है सबको एक-सा प्रकाश बांटता है बिना किसी भेद के। दीप का संदेश प्रकाश पाने के लिये मन को मंदिर-सा पवित्र बनाना होता है और भीतर की कलुषताओं को, बुराईयों को, विचारों की कालिमा को धू-धू कर जलाना होता है। इसी संदर्भ में कार्तिक कृष्ण पक्ष की अमावस्या को दीपावली का त्यौहार मनाया जाता है। माटी का स्नेह, बाती का सौहार्द्र और तेल की स्निग्धता की त्रिवेणी विनम्रता से अग्नि को आमंत्रण देकर एक दीप प्रज्वलित करती है। स्नेह, सौहार्द, स्निग्धता एवं विनम्रता अपने इस अमृत गुणों को संपूर्ण आस्था से सींचती रहती है। फलस्वरूप एक दीप से करोड़ों दीप बगैर अवरोध और समस्या के अविरल जलते रहते हैं। यह पर्व अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान, असत्य पर सत्य, मृत्यु पर अमरत्व की शाश्वत विजय का पर्व है और दीपोत्सव मनाये जाने एवं घर की मुंडेर पर दीप जलाए जाने की परंपरा के मूल में यही संदेश छुपा है। दीप का प्रकाश एक प्रेरणा है जो हमें सही राह का पथिक बनाता है। दीपावली वर्ष में एक बार आती है पर दीपक तो हर रात को जलता है। जीवन में खुशियां बिखेरने वाली दीपावली का त्यौहार अंधकार को मिटाकर उजियाला फैला देता है। इन दीपकों की रोशनी में दया, क्षमा, स्नेह और सौहार्द हमारे आदर्शों के आभूषण हैं। हर तरफ जगमगाते दिये, मिठाइयों का अम्बार, पटाखों का शोर कुछ दिन पूर्व से ही इसके आने की सूचना देने लगते हैं। अनेक मंत्रों का ध्यान कर लोग महालक्ष्मी की पूजा भी करते हैं। धान्य लक्ष्मी, धन लक्ष्मी, विद्या लक्ष्मी, धैर्य लक्ष्मी, जय लक्ष्मी, वीर लक्ष्मी, राज लक्ष्मी और सौभाग्य लक्ष्मी,ये लक्ष्मी के अष्ट रूप हैं। इस रूप में वे पूरे समाज की आराध्य हैं। लक्ष्मी विष्णुप्रिया हैं। उन्हें धर्म व बुद्धि प्रिय है पापाचरण नहीं। दीपावली के पावन पर्व पर विभिन्न स्थलों पर लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जाती है। लक्ष्मी के संग श्री गणेश की भी पूजा अर्चना की जाती है।

लवजेहाद रोकने में क्यों नाकाम है कानून?

मनोज कुमार अग्रवाल

दिल्ली के नांगलोई में लवजेहाद का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. सलीम उर्फ संजू ने अपने 2 साथियों के साथ मिलकर 19 साल की सोनी कुमारी की हत्या कर दी. सलीम सोनी का प्रेमी है और विशेष समुदाय से ताल्लुक रखता है. उसने इस जुर्म को रोहतक में अंजाम दिया. पीड़ित सोनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती थी. सोशल मीडिया पर उसके 6 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. वह अपने इंस्टाग्राम पर अपनी और संजू की कई फोटो और वीडियो डालती रहती थी।

देश भर में लवजेहाद की सैकड़ों वारदातों में हिन्दू लड़कियों को प्रेम जाल में फंसा कर उनके साथ दरिंदगी और बर्बरता की वारदातों को अंजाम देने का सिलसिला जारी है। सोनी की हत्या के बाद लव-जिहाद का जिन्न एक बार फिर बोतल से बाहर घूमता दिख रहा है. दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान से लेकर छत्तीसगढ़ और झारखंड तक देश के किसी न किसी कोने से हर रोज ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिसमें आरोप लग रहा है कि मुस्लिम युवक मोहब्बत के नाम पर धोखा करके हिंदू लड़कियों को सता रहे हैं. कई जगह हत्याएं भी हुई हैं.

शहर-शहर मोहब्बत के नाम पर मजहबी साजिश और प्यार के नाम पर अवैध धर्मांतरण की साजिशों के आरोप लग रहे हैं. ये सारे केस पुलिस के पास हैं. हालांकि, पुलिस की जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि सोनी की हत्या के पीछे लवजेहाद का मामला होने कितनी सच्चाई है?

आपको बता दें कि सोनी के प्यार का खौफनाक अंजाम सोनी और सलीम दोनों ही इंस्टाग्राम पर एक दूसरे का नाम डालकर खुलेआम अपने प्यार का इजहार कर चुके थे. घरवाले ये तो जानते थे कि उसका कोई दोस्त है, लेकिन जब उसका नाम पूछते थे तो वह जानकारी नहीं देती थी . जानकारी के मुताबिक सोनी 7 महीने से प्रेग्नेंट थी और सलीम पर शादी के लिए दबाव बना रही थी. वहीं दूसरी तरफ सलीम इस बच्चे को गिरना चाहता था और शादी के लिए फिलहाल तैयार नहीं था. इसी बात पर दोनों के बीच लड़ाई होती थी.21 अक्टूबर को सोनी अपने घर से समान लेकर सलीम के पास पहुंच गई. सलीम अपने दो दोस्तों के साथ उसे रोहतक ले गया. उसने सोनी की हत्या कर उसके शव को जमीन में दफना दिया. वह कहां जानती थी कि जिस प्यार पर वह इतना भरोसा जता रही है वह उसे मौत देने जा रहा है. वहीं सोनी का परिवार भी इस बात से अंजान था कि उसका बॉयफ्रेंड दूसरे समुदाय से ताल्लुक रखता है.पुलिस ने आरोपी सलीम और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है. एक आरोपी अभी भी फरार है। इस हत्या के पीछे लव जिहाद का कितना एंगल है, ये पुलिस की जांच के बाद सामने आएगा. लेकिन देश की राजधानी में जब एक केस सामने आता है तो देश के दूसरे हिस्सों से भी ऐसे मुकदमों की चर्चा और खबरें आनी शुरू हो जाती हैं जहां मुस्लिम युवकों पर हिंदू लड़कियों के साथ अत्याचार और हत्या तक के आरोप लगे हैं. चलिए आपको छत्तीसगढ़ और राजस्थान के दो ऐसे ही मामले के बारे में बताते हैं जहां छत्तीसगढ़ में तो युवती की मौत भी हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में भी ऐसा ही दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है. यहां 8 मार्च को बिलासपुर के सिम्स हॉस्पिटल में ज्यादा खून बहने की वजह से एक युवती की मौत हो गयी थी. पीड़िता दानिश नाम के युवक के साथ लिव इन में रह रही थी. उसने समीर बनकर दोस्ती की थी. मौत से पहले पीड़िता का रिकॉर्ड किया हुआ एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उसने दानिश पर खुद को ताले में बंद रखने, मारपीट करने का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई थी. लड़की ने मांग की थी कि उस दरिंदे को बख्शा नहीं जाए जिसने सच छिपाकर इसके साथ मोहब्बत के नाम पर धोखा किया। राजस्थान के उदयपुर में पुलिस ने आसिफ, उसके भाई और उसके पिता अब्दुल रज्जाक को गिरफ्तार किया है. तीनों पर एक युवती को जबरन धर्म परिवर्तन करने के लिए जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है. आरोप है कि उदयपुर के अम्बामाता थाना इलाके के आयड़ में रहने वाले आसिफ ने इस लड़की को धर्म परिवर्तन नहीं करने और हिजाब नहीं पहनने पर दिल्ली के साक्षी मर्डर केस की तरह हत्या करने की धमकी दे रहा था. पीड़िता का आरोप है कि आसिफ ने पहले धोखे से उसके साथ दोस्ती की और जब पीड़िता को सच का पता लगा तो वो आसिफ से दूर होने की कोशिश करने लगी लेकिन तभी आसिफ और उसके परिवार वालों भी पीड़िता को धर्मांतरण का दबाव बनाने लगे थे. फिलहाल पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को जेल भेज दिया है और आगे की जांच कर रही है। दिल्ली के पास ही हापुड़ से कथित लव जिहाद का ऐसा ही खतरनाक मामला सामने आया है. यहां एक हिंदू लड़की के साथ वसीम ने रेप किया और फिर उसे ब्लैकमेल किया गया. इसके बाद धर्मांतरण कराकर निकाह भी करा दिया गया. बात यहीं जाकर खत्म नहीं हुई. इसके बाद लड़की को घर के दूसरे मर्दों के साथ भी शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया जाने लगा तो पीड़िता ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया है. हैरानी की बात ये है कि आरोपी खुद दिल्ली पुलिस में है और उसके पिता भी दिल्ली पुलिस से रिटायर हैं. पीड़िता का आरोप है कि पहले उसके साथ रेप किया गया. फिर भाई की हत्या का डर दिखाकर इस पर इतना दबाव बना दिया गया कि उसे धर्म परिवर्तन करना पड़ा. धर्मांतरण के बाद इसका नाम इकरा रख दिया गया और फिर जब इस युवती ने एक बेटे को जन्म दिया. तो ब्लैकमेलिंग का सिलसिला और बढ़ गया. आरोप है कि 11 मई की रात गला दबाकर इसकी हत्या की कोशिश भी की गई और इसे श्रद्धा वाल्कर की तरह 36 टुकड़े में मार डालने की धमकियां भी दी गईं. हापुड़ पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज है लेकिन आरोपियों ने दिल्ली हाईकोर्ट से गिरफ्तारी पर रोक ले रखी है, उसी हिसाब से कार्रवाई की जा रही है।

एक अन्य वारदात में झारखंड की मानवी की मॉडलिंग के दौरान तनवीर से दोस्ती हुई. बाद में ये प्यार में बदल गई. अब मॉडल मानवी ने तनवीर पर गंभीर आरोप लगाए हैं. आरोप है कि तनवीर ने अपनी असली पहचान छिपाकर उसे ब्लैकमेल करने, नशा देकर यौन शोषण करने, जान से मारने की कोशिश करने और उसका धर्म बदलकर शादी के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया था. एफआईआर में मॉडल ने पुलिस को बताया कि उसके पास कई ऐसे सबूत हैं, जो तनवीर के खिलाफ हैं.

कानपुर से लव जिहाद का सनसनीखेज मामला सामने आया है. आरोप है कि एक मुस्लिम युवक ने स्कूटी ठीक कराने आई महिला को हिंदू नाम बताकर अपने जाल में फंसाया. फिर उसका शोषण किया. इसके बाद उसने महिला पर निकाह करने के लिए धर्म परिवर्तन का दबाव डाला. महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है.

मामले में एडीसीपी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई है. उसका आरोप है कि उसे एक युवक ने धर्म और नाम बदलकर संबंध बनाएं. फिर उसके जमा किए हुए रुपये खर्च करवा दिए और जेवर बिकवा दिए. इसके बाद धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश की है. उसकी असलियत पता चली, तो महिला पुलिस से शिकायत करने आई है. मामले में जांच की जा रही है. सही तथ्य सामने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश के बरेली में सलीम और शकील को दो नाबालिग बहनों को फुसलाकर अपहरण करने की कोशिश में गिरफ्तार किया गया . मामला बरेली के भोजीपुरा का है. पुलिस ने दोनों पर पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की है. आरोप है कि सलीम और शकीलना बालिग बहनों को फुसलाकर भगा ले जा रहे थे. तभी ग्रामीणों ने पकड़ लिया. जिसके बाद उनको पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया.

देश का कोई प्रदेश या जनपद ऐसा नहीं है जहां इस तरह की वारदातों की झड़ी न लगी हो। कई प्रदेशों में राज्य सरकार ने लवजेहाद के मामलों पर नियंत्रण के लिए लवजेहाद व धर्मांतरण रोकने के लिये कानून भी बनाए लेकिन इस के बावजूद लगातार ऐसे मामलों की झड़ी लगी है जरूरत है की किशोर व नवयुवा लड़कियों को लवजेहाद से बचाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाए ताकि मासूम बच्चियों के जीवन को दरिंदों के जाल में फंसने से बचाया जा सके।

दीपावली पर्व पर और महालक्ष्मी पूजन को लेकर बद्रीनाथ धाम परिसर 8 कुंतल रंग बिरंगी पुष्पों द्वारा सजाया गया

चमोली । दीपावली पर्व और महा लक्ष्मी पूजन को लेकर भू- बैकुंठ नगरी श्री बदरीनाथ धाम के पूरे मंदिर परिसर को करीब 8 कुंतल रंग बिरंगी पुष्पों द्वारा सजाया जाने लगा है। बदरीनाथ मंदिर सहित महा लक्ष्मी मंदिर और परिसर के आसपास के सभी मंदिरों की सजावट शुरू हो गई है। श्री बदरीनाथ धाम में इस बार दीपावली उत्सव 1 नवंबर को मनाया जायेगा। धन तेरस पर्व से लेकर महा लक्ष्मी पूजन तक तीन दिनों का विशेष पूजन बद्रीनाथ धाम में होता है। भगवान श्री हरि नारायण प्रभु के साथ बद्रीश पंचायत में विराजमान धन कुबेर भंडारी जी और माता महा लक्ष्मी जी के मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जायेगी साथ ही दीपोत्सव का कार्यक्रम भी होगा। बीकेटीसी के उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने बताया की इस बार कार्तिक स्नान सहित दीपावली पर्व को लेकर बदरी पुरी में श्रद्धालुओं में गजब का उत्साह देखा जा रहा है। खुश नुमा मौसम के बीच लगातार धाम में श्रद्धालुओं की आमद बढ़ती जा रही है। मंगलवार 29 अक्तूबर को जहां बदरी पुरी में करीब 11 हजार 300 श्रद्धालुओं की आमद हुई वही अब तक करीब 12 लाख 55 हजार तीर्थ यात्रियों ने भगवान श्री बदरी विशाल जी के दर्शनों का पुण्य लाभ अर्जित किया है। बदरीनाथ धाम के धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल ने बताया कि दीपावली को लेकर लोगों में कुछ भ्रम की स्थिति है लेकिन पंचांग व धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार दीपावली एक नवंबर को मनाई जाएगी। बदरीनाथ में भी एक नवंबर को ही दीपावली मनाई जाएगी। अमावस्या पर उपासना करने वालों के लिए 31 अक्तूबर की मध्य रात्रि सही रहेगी लेकिन दीपावली एक नवंबर को है।

उप जिलाधिकारी थराली कमलेश मेहता ने पुलिस टीम के साथ किया थराली बाजार का औचक निरीक्षण

गौचर/चमोली 30 अक्टूबर ललिता प्रसाद लखेड़ा त्यौहारी सीजन को देखते हुए उपजिलाधिकारी थराली कमलेश मेहता ने राजस्व नगर पंचायत स्वास्थ्य विभाग , पशुपालन और पुलिस टीम के साथ थराली बाजार क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी कमलेश मेहता ने मिठाई की दुकानों में दिवाली के त्यौहार के मद्देनजर मिठाई का निरीक्षण करने के साथ ही एक्सपायरी डेट के सामानों का भी निरीक्षण किया। उप जिलाधिकारी कमलेश मेहता ने मिठाई के एक गोदाम से बिना एक्सपायरी डेट की रखी कुल 56 किलो मिठाइयों को जब्त कर नष्ट करने के निर्देश नगर पंचायत थराली को दिए। इसके साथ ही उपजिलाधिकारी ने व्यापारियों को सख्त हिदायत दी कि कोई भी व्यापारी एक्सपायरी डेट का कोई भी समान ग्राहको को न बेचें। उपजिलाधिकारी ने मटन व्यवसायियों को साफ सफाई बरतने की हिदायत देते हुए दुकानों में गंदगी और साफ सफाई न होने पर मटन व्यवसायियों के भी चालान काटे। वहीं बाजार क्षेत्र में बिना लाइसेंस के पटाखे बेच रहे व्यापारियों को लाइसेंस जारी होने तक पटाखे न बेचने की हिदायत दी। बिना लाइसेंस के पटाखे बेच रहे कुल 2 व्यापारियों के चालान काटे गए। वहीं पूरे बाजार क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान कुल 16 व्यापारियों के प्रतिष्ठानों में अनियमितता पाए जाने पर कुल 9000 रुपये की चालानी राशि वसूली गयी। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार थराली दिगंबर नेगी, नायब तहसीलदार अक्षय पंकज, कानूनगो जगदीश प्रसाद गैरोला, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत थराली अगवीर सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी गौरव सिसोदिया समेत पशुपालन, पुलिस के कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों की बैठक की गई आयोजित!

श्रीनगर/ पौड़ी । जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में जिला कार्यालय स्थित एन0आई0सी0 कक्ष में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विधान सभा निर्वाचक नामावलियों का अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2025 के आधार पर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर सहायक निर्वाचन अधिकारी शान्ति लाल शाह, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रतिनिधि शिव प्रसाद रतूड़ी, सीपीआई के प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह रावत, बीजेपी प्रतिनिधि राजेन्द्र सिंह, एपी उनियाल आदि उपस्थित थे।

पौड़ी जिले के जिला अधिकारी ने जनपद के विधायक ने जनपद वासियों को शुभ दीपावली की बधाई दी!

श्रीनगर । जिला मुख्यालय/नगर पालिका परिषद पौड़ी के अन्तर्गत जिला चिकित्सालय के पास बनी पुष्प वाटिका में स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी व जिलाधिकारी गढ़वाल डॉ आशीष चौहान की उपस्थिति में सफाई अभियान चलाया गया। सुरक्षा के साथ-साथ स्वच्छ दीपावली बनाये जाने को लेकर मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार के दिशा-निर्देशों के क्रम में जनपद में सभी नगर निकायों के अन्तर्गत जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा संयुक्त रुप से सफाई अभियान चलाया गया। सफाई अभियान के साथ मनाये जा रहे दीपावली के पर्व पर निकायों के सफाई कर्मियों के लिए स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया, साथ ही उन्हे उपहार व मिष्ठान वितरित कर सम्मानित किया गया। इस दौरान विधायक द्वारा अभियान में उपस्थितो को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। दीपावली के शुभ पर्व को सुरक्षा के साथ-साथ स्वच्छ तरीके से मनाने के लिए बुधवार को जनपद क्षेत्रांतर्गत सभी नगर निकायों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियें, कर्मचारियों, नगर वासियों के सहयोग से व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। जिला मुख्यालय पर आयोजित सफाई अभियान में स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी ने हाथ में झाड़ू पकड़कर दीपावली को स्वच्छ व सुरक्षित तरीके से मनाने का संदेश दिया। उन्होने कहा कि त्यौहारों पर इस प्रकार के स्वच्छता अभियानों को निरंतर जारी रखना स्वच्छ भारत के लिए आवश्यक है। कहा कि त्यौहारी सीजन में खरीददारी के साथ-साथ काफी तादात में वेस्ट जनरेट होता है, वेस्ट के ईधर-उधर बिखराव को रोकना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होने जिला मुख्यालय पर महिलाओं के सहयोग से बनाई गयी पुष्प वाटिका की सराहना करते हुए कहा कि जहॉ झाड़िया उगा करती थी वहां इस प्रकार की पुष्प वाटिका को विकसित करना काबिले तारीफ है। उन्होने सफाई नायकों को मिष्ठान व उपहार वितरित कर जनमान को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी की अनुपस्थिति में भी पूर्ण होगा विश्व धर्म संसद

हरिद्वार । आज यति नरसिंहानंद सरस्वती फाउंडेशन की महासचिव व विश्व धर्म संसद(वर्ल्ड रिलीजियस कन्वेंशन) की मुख्य संयोजक डॉ उदिता त्यागी ने अखिल भारतीय ब्रह्मर्षि महासंघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री सुनील त्यागी व श्रीअखण्ड परशुराम अखाड़ा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक जी के साथ विश्व धर्म संसद(वर्ल्ड रिलीजियस कन्वेंशन) को लेकर हरिद्वार के प्रेस क्लब के एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। विश्व धर्म संसद(वर्ल्ड रिलीजियस कन्वेंशन) का आयोजन यति नरसिंहानंद सरस्वती फाउंडेशन अनेक अन्य संस्थाओं के सहयोग से कर रही है।यह आयोजन 17 दिसंबर 2024 से 22दिसम्बर 2024 तक चलेगा।पहले दिन दिवस यह आयोजन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में और अंतिम तीन दिन यह आयोजन श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े में होगा।इस आयोजन का उद्देश्य विश्व के सभी गैरमुस्लिमों को इस्लामिक जिहाद की वास्तविक विभीषिका को समझा कर एक प्लेटफार्म पर लाना हैं जहां सम्पूर्ण विश्व के के सभी गैर मुस्लिम धर्मगुरु,बुद्धिजीवी व विद्वान अपने और सम्पूर्ण मानवता के अस्तित्व की रक्षा के एक दूसरे के साथ सहयोग के मार्ग खोजने का प्रयास करेंगे।

आयोजन के बारे में बताते हुए डॉ उदिता त्यागी ने कहा कि आज सम्पूर्ण विश्व मे जिस तरह के हालात बन चुके हैं,वह सम्पूर्ण मानवता के लिये बहुत ही अशुभ है।आज दुनिया का ऐसा कोई कोना नहीं बचा है जहां इस्लाम के जिहादी ना पहुँच गए हो।आज सम्पूर्ण विश्व मे इस्लाम के जिहादी जनसंख्या को हथियार बना कर लोकतंत्र के माध्यम से सभी देशों पर कब्जा करके वहाँ सभी गैर मुस्लिम जनसमुदाय का समूल नरसंहार करने की कार्ययोजना पर चल रहे हैं।आज कोई भी जनसमुदाय केवल अपने बूते पर इस्लाम के जिहादियों से अपनी रक्षा नहीं कर सकता।ऐसे में सम्पूर्ण विश्व के सभी गैर मुस्लिम जनसमुदायों को एक साथ आकर अपने अस्तित्व के साथ ही सम्पूर्ण मानवता को बचाने का प्रयास करना चाहिये।विश्व धर्म संसद(वर्ल्ड रिलीजियस कन्वेंशन) इसके मार्ग खोजने में सहायक सिद्ध होगा।अत: विश्व शांति और सम्पूर्ण मानवता की रक्षा के लिये विश्व धर्म संसद(वर्ल्ड रिलीजियस कन्वेंशन) अति आवश्यक है। डॉ उदिता त्यागी ने यह भी कहा कि विश्व धर्म संसद(वर्ल्ड रिलीजियस कन्वेंशन) हमारे गुरु जी महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज का स्वप्न है जो उनकी अनुपस्थिति में भी पूर्ण किया जाएगा।

प्रेस वार्ता में श्री सुनील त्यागी जी ने संत समाज से महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज का साथ देने का अनुरोध करते हुए कहा कि महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज सनातन धर्म की सबसे मजबूत आवाज हैं।उन्होंने सदैव धर्म के लिये इस्लामिक जिहादियों के टक्कर ली है।आज सारी दुनिया के इस्लामिक जिहादी उनको मार देना चाहते हैं।ऐसे में सारे संत समाज को अपने आपसी मतभेद भुला कर उनका साथ देना चाहिये। प्रेस वार्ता में सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित पवनकृष्ण शास्त्री जी ने कहा कि हरिद्वार के सनातनी विश्व धर्म संसद के आयोजन में हर तरह का सहयोग करेंगे।यह आयोजन सम्पूर्ण विश्व को दिशा देने का कार्य करेगा। प्रेस वार्ता में असीमानंद जी महाराज,विजयपाल सिंह त्यागी, सुभाष त्यागी, आनंद तिवारी, ष्ट आशुतोष पांडे, डॉ रामसिंह, शशिकांत त्यागी, देव नारायण तिवारी, जागेश त्यागी, मनोज त्यागी, अमित पुंडीर, विवेक नगर, तरुण त्यागी, अंकित आदि उपस्थित थे।

कर्मचारियों ने की पदोन्नति, पोष्टिक आहार भत्ता, बोनस देने की मांग

हरिद्वार । प्रदेश अध्यक्ष दिनेश लखेड़ा, राजेन्द्र तेश्वर, ऑडिटर महेश कुमार ने कहा कि कर्मचारियों को सरकार से बोनस और डीए की घोषणा का इंतजार है, लेकिन अभी तक सरकार ने घोषणा नहीं की, इससे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हतोत्साहित हैं। उन्होंने मांग की उपनल और एनएचएम, पीआरडी कर्मचारियों को भी बोनस के रूप में मानदेय दिया जाना न्यायोचित होगा। जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार, जिला मंत्री राकेश भंवर, संरक्षक सोम प्रकाश, उपाध्यक्ष मूल चंद चौधरी ने कहा कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की पदोन्नति और पौष्टिक आहार भत्ता की मांग लगातार की जा रही है। आज तक कर्मचारियों की मांगों का निस्तारण नहीं हो पाया है।

अब पंचायत चुनाव पर निर्वाचन आयोग के पाले में गेंद

देहरादून । उत्तराखंड में पंचायत चुनाव पर संशय की स्थिति बनी हुई है। एक तरफपंचायत प्रतिनिधि पंचायतों के कार्यकाल को बढ़ाने की मांग कर रहे हैं तो वहीं सरकार का अब तक रवैया कार्यकाल न बढ़ाने का रहा है। हालांकि पंचायत प्रतिनिधियों के लगातार दबाव के बाद सरकार को इस पर विचार करना पड़ा है। लेकिन पंचायत में चुनाव से जुड़े नियम कार्यकाल बढ़ाए जाने के मामले में आड़े आ रहे हैं।

उत्तराखंड में इसी साल 27 नवंबर को पंचायतों का कार्यकाल खत्म हो रहा है। मौजूदा स्थिति को लेकर ऐसा लगता नहीं है कि तय समय सीमा पर चुनाव कराए जा सकेंगे। ऐसे में पंचायत प्रतिनिधियों ने सरकार से कार्यकाल बढ़ाने और उत्तराखंड के 12 जिलों में पंचायत चुनाव 13 वें जिले हरिद्वार के साथ ही 2027 में करवाने की मांग की थी। दरअसल उत्तराखंड में हरिद्वार जिले के अंतर्गत आने वाली पंचायत के चुनाव बाकी जिलों से अलग होते हैं। ऐसे में एक राज्य एक पंचायत चुनाव के तर्क के साथ पंचायत प्रतिनिधि 12 जिलों में पंचायतों के कार्यकाल को बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

उत्तराखंड में पंचायत से जुड़ा एक्ट पंचायतों के कार्यकाल में बढ़ोतरी की इजाजत नहीं देता है। ऐसे में यदि एक राज्य एक पंचायत चुनाव की व्यवस्था करनी है तो हरिद्वार जिले की पंचायत के कार्यकाल को कम किया जा सकता है। लेकिन इस मांग को करने की बजाय पंचायत प्रतिनिधि अपने कार्यकाल को बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

हालांकि पंचायत प्रतिनिधियों के लगातार दबाव के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की थी और अधिकारियों को 20 अक्टूबर तक इस पर रिपोर्ट देने के लिए कहा था। इस मामले में पंचायती राज निदेशालय ने अपनी रिपोर्ट शासन को दे दी है। लेकिन शासन पंचायत प्रतिनिधियों के तर्क के आधार पर बाकी राज्यों में पंचायतों के कार्यकाल को बढ़ाने से जुड़ी व्यवस्था होने की बात पर अलग से रिपोर्ट तैयार करवा रहा है। पंचायती राज सचिव चंद्रेश यादव ने इसके लिए अपर सचिव युगल किशोर पंत को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट देने के लिए कहा है।

जेल में जातिवाद का चलन शर्मनाक

मनोज कुमार अग्रवाल

यह नितान्त दुखद और विस्मय करने वाली खबर है कि हमारे लोकजीवन में जाति मरने के बाद यहां तक कि जेल में अभिरक्षा में होने के बाद भी पीछा नहीं छोड़ती है।

देश की आजादी के 77 साल बाद भी जेलों के अंदर कैदियों के साथ जातिगत भेदभाव होना दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ ही शर्मनाक भी हैं।

आपको बता दें कि जेलों में जाति के आधार पर कैदियों को काम पर लगाया जाता रहा है। इस का सीधा तात्पर्य यह है कि यदि निम्न कही जाने वाली जाति से है तो उन कैदियों को सफाई कर्मी जैसे काम पर लगाया जाता है और यदि उच्च जाति से है तो खान पान मैस का काम दिया जाता है। यह भेदभाव बताता है कि जाति का जहर हमारे तंत्र की जडों को भी दूषित किए है। औपनिवेशिक काल में अंग्रेजों के समय से चली आ रही इस कुप्रथा को पहले ही बंद होना चाहिए था, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण घटिया जातिवादी सोच आज भी बरकरार है। सजा के बाद कैदियों को जेल में रखने का उद्देश्य उनको सुधारना और समाज की मुख्यधारा में वापस लाने में मदद करना होता है, ताकि जेल से छुटने के बाद वे समाज के साथ फिर से जुड़ सकें। लेकिन अगर जेलों में ही कैदियों से जातिगत स्तर पर भेदभाव होता है, तो समझना मुश्किल नहीं है कि उनकी मानसिक स्थिति पर क्या असर पड़ता होगा। मगर अच्छी बात है कि देश की सबसे बड़ी अदालत ने अपने एक ऐतिहासिक फैसले में जेलों में जातिगत भेदभाव के साथ श्रम विभाजन पर रोक लगाने की दिशा में अहम फैसला दिया है। शीर्ष न्यायालय ने भारत की जेलों में बंद कैदियों के बीच जाति के आधार पर भेदभाव करने को गैर कानूनी तथा असंवैधानिक करार देते हुए स्पष्ट तौर पर कहा है कि देश की किसी भी जेल में जाति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। जेल नियमावली में मौजूद ऐसे सभी प्रावधानों को हटाया जाना चाहिए, जो इस तरह के भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। कोर्ट ने इसे संविधान के आर्टिकल 15 का सरासर उल्लंघन बतलाया है और साफतौर पर कहा है कि रसोई व सफाई का काम जाति के आधार पर बांटा जाना अनुचित है। दरअसल एक महिला पत्रकार द्वारा दायर जनहित याचिका पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि जेल नियमावली जाति के आधार पर कामों के बंटवारे में भेदभाव करती है। खाना बनाने का काम ऊंची जाति के लोगों को देना व सफाई का काम निचली जातियों के कैदियों को देना संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है, जो जेलों में जातिगत भेदभाव को बढ़ाता है। कोर्ट का कहना था कि जाति के आधार पर कामों का बंटवारा औपनिवेशक सोच का पर्याय है, जिसे स्वतंत्र भारत में जारी नहीं रखा जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि यह बात स्पष्ट है कि जेल नियमावली साफतौर पर भेदभाव करती है। साथ ही कहा कि नियमावली में जाति से जुड़ी डिटेल्स का उल्लेख असंवैधानिक है। कोर्ट ने खरी-खरी सुनाते हुए सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के जेल मैन्युअल में तुरंत बदलाव करने को कहा है। साथ ही राज्यों को इस फैसले के अनुपालन की रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने को कहा है। उल्लेखनीय है कि चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली इस बेंच में जस्टिस जेबी पारदीवाला व जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल थे। दरअसल एक पत्रकार सुकन्या शांता ने सबसे पहले यह मामला उठाया था। उनका कहना था कि देश के 17 राज्यों की जेलों में कैदियों के साथ यह भेदभाव हो रहा है। उन्होंने दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में यह जनहित याचिका दायर की थी। इस याचिका पर फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने तीन महीनों में नियमों में बदलाव करने को कहा है। देश की सबसे बड़ी अदालत कहा है कि सम्मान के साथ जीने का अधिकार कैदियों को भी है। कैदियों को सम्मान प्रदान न करना औपनिवेशिक काल की निशानी है, जब उन्हें मानवीय गुणों से वंचित किया जाता था। संविधान-पूर्व युग के सत्तावादी शासन ने जेलों को न केवल कारावास के स्थान के रूप में देखा, बल्कि वर्चस्व के उपकरण के रूप में भी देखा।

इस अदालत ने संविधान द्वारा लाए गए बदले हुए कानूनी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करते हुए माना है कि कैदियों को भी सम्मान का अधिकार है। फैसले में कहा गया है कि मानव गरिमा एक संवैधानिक मूल्य और संवैधानिक लक्ष्य है। अदालत ने अन्य फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि मानव गरिमा मानव अस्तित्व का अभिन्न अंग है और दोनों को अलग नहीं किया जा सकता है और इसमें यातना या क्रूर, अमानवीय या अपमानजनक व्यवहार के खिलाफ सुरक्षा का अधिकार भी शामिल है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि गरिमा और जीवन की गुणवत्ता के बीच भी घनिष्ठ संबंध है। मानव अस्तित्व की गरिमा तभी पूरी तरह से साकार होती है, जब कोई व्यक्ति गुणवत्तापूर्ण जीवन जीता है। शीर्ष न्यायालय ने आदेश दिया कि संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता), 15 (भेदभाव का निषेध), 17 (अस्पृश्यता का उन्मूलन), 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) और 23 (जबरन श्रम के खिलाफ अधिकार) का डाबंधन करने के इन प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित किया जाता है। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया जाता है कि वे तीन महीने की अवधि के भीतर इस फैसले के अनुसार अपने जेल नियामवली/नियमों को संशोधित करें। दरअसल आरोप है कि देश भर के जेलों के बैरकों में जाति आधारित भेदभाव जारी है और शारीरिक श्रम कार्यों तक फैला हुआ है, जो विमुक्त जनजातियों और आदतन अपराधियों के रूप में वर्गीकृत लोगों को प्रभावित कर रहा है। महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में इन्हें गंभीर भेदभाव का सामना करना पड़ता है। ऐसे कई उदाहरण सामने है, जहां अनुसूचित जातियों के व्यक्तियों को अलग और अन्य जातियों के व्यक्तियों को अलग रखा गया है। इस तरह का जाति आधारित भेदभाव जेल में कदम रखने के बाद से ही शुरू होता है। राजस्थान समेत देश की कई जेलों में आज भी ब्रिटिश शासन के जेल मैनुअल के मुताबिक काम का आवंटन होता है। प्रत्येक आरोपी व्यक्ति, जो जेल में दाखिल होता है, उससे जाति पूछी जाती है। ह्यूमन राइट्स से जुड़ी एक संस्था ने दावा किया था कि निचले तबके के बंदियों को शौचालय व जेलों की सफाई जैसे काम सौंपे जाते हैं। जानकारी के मुताबिक जाति पिरामिड के निचले भाग वाले सफाई का काम करते हैं, उनसे उच्च वर्ग वाले रसोई या लीगल दस्तावेज विभाग को संभालते हैं, जबकि अमीर और प्रभावशाली कोई काम नहीं करते। दअरसल औपनिवेशिक युग के जेल मैनुअल ने इस तरह के जाति-आधारित श्रम विभाजन की अनुमति दी थी। लेकिन बाद में सरकारों ने बुनियादी मानवाधिकारों के अनुरूप मैनुअल में संशोधन करने के लिए बहुत कम काम किया है, लेकिन इसके बावजूद कुछ कुप्रथाएं आज भी विधमान है, जिसमें से एक जातिवाद के आधार पर काम देना भी शामिल है।लेकिन कानूनी और मानवीय आधार पर सुप्रीम कोर्ट के द्वारा दिए गए फैसले के बाद उम्मीद की जा सकती है कि कैदियों के साथ भेदभाव की कुप्रथा खत्म होगी और जेलों में उनके अधिकारों की रक्षा होगी।जरूरत इस बात की है कि आरक्षण के स्थान पर जातिविहिन समाज की स्थापना पर बल दिया जाए। जाति के आधार पर वर्गीकरण करना ही व्यवस्था से समाप्त कर दिया जाए।

कांग्रेस तमाम आदर्श स्थितियों के बावजूद चुनाव हारी

अजीत द्विवेदी

हरियाणा के चुनाव नतीजों ने एक बार फिर प्रमाणित किया है कि कांग्रेस पार्टी जातीय राजनीति में प्रवेश कर तो गई है लेकिन उसकी जटिलताओं को समझ नहीं पा रही है और अगर समझ रही है तो उससे निपटने के उपाय उसको नहीं सूझ रहे हैं। राहुल गांधी ने अप्रैल 2023 से जाति जनगणना और आबादी के अनुपात में आरक्षण बढ़ाने का मुद्दा जोर शोर से उठाया है और उसके बाद से हरियाणा चौथा राज्य था, जहां कांग्रेस तमाम आदर्श स्थितियों के बावजूद चुनाव हारी।

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बाद हरियाणा में कांग्रेस की यह राजनीति विफल रही है। कह सकते हैं कि इस दौरान कांग्रेस कर्नाटक में चुनाव जीती और लोकसभा चुनाव में उसकी सीटों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ। लेकिन अगर लोकसभा के नतीजों को भी बारीकी से देखेंगे तो पता चलेगा, उसमें भी राहुल गांधी की जाति गणना कराने और आबादी के अनुपात में आरक्षण बढ़ाने के दांव का बहुत कम योगदान है। कांग्रेस को या तो दक्षिण भारत से सीटें मिली हैं या अन्य विपक्षी पार्टियों के साथ चतुराईपूर्ण गठबंधन की वजह से सीटें मिली हैं।

सवाल है कि कांग्रेस का जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने का दांव क्यों नहीं कामयाब हो रहा है? इसका मुख्य कारण यह है कि अन्य पिछड़ी जातियों यानी ओबीसी की राजनीति मंडल के दौर से बहुत आगे बढ़ चुकी है और कांग्रेस नेतृत्व न तो उसके इतिहास को समझ रहा है और न उसकी जटिलताओं को समझ रहा है। कांग्रेस नेतृत्व की तीन गलतियां बहुत स्पष्ट हैं। पहली, वह अभी तक ओबीसी को एक होमोजेनस समुदाय मान कर उसकी कॉमन अस्मिता की राजनीति कर रही है। दूसरी, मंडल के ऊपर कमंडल के असर का आकलन नहीं कर रही है और तीसरी राहुल गांधी चाहते हैं कि सिर्फ बातों से काम बन जाए। यानी वे भाषण दें और अच्छी अच्छी बातें कहें, उससे पिछड़ी जातियां कांग्रेस के साथ जुड़ जाएं। वे पिछड़ा नेतृत्व आगे किए बगैर कांग्रेस नेतृत्व के पारंपरिक ढांचे में यह राजनीति कर रहे हैं।

सबसे पहला मामला यह है कि पोस्ट मंडल यानी मंडल के बाद की राजनीति बहुत बदल गई है। कार्ल मार्क्स के द्वंद्वात्मक भौतिकवाद को पढने समझने वालों को पता है कि कोई भी वाद या विचार स्थायी नहीं होता है। विचार के साथ ही प्रतिविचार का जन्म होता है और दोनों के द्वंद्व से एक संविचार यानी पहले से परिष्कृत विचार का जन्म होता है। सो, मंडल की राजनीति के मजबूत होने पर इसके अंदर ही टकराव और बिखराव शुरू हुआ। इसको वर्गीकरण के रूप में समझ सकते हैं। हालांकि जैसे अभी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अनुसूचित जातियों में वर्गीकरण का मामला तूल पकड़े हुए है उस तरह पिछड़ी जातियों में नहीं हुआ लेकिन बिहार और कुछ अन्य जगहों पर पिछड़ा और अति पिछड़ा के तर्ज पर सरकारी नौकरियों और दाखिले में वर्गीकरण दिखाई दिया। साथ ही राजनीतिक स्तर पर इसका दायरा ज्यादा व्यापक हुआ। कई जगह मजबूत पिछड़ी जातियों के खिलाफ कमजोर पिछड़ी जातियों की गोलबंदी हुई। एकसमान पिछड़ी अस्मिता की जगह कई अस्मिताओं का जन्म हुआ।

जिस तरह से एक जमाने में अगड़ी जातियां पिछड़ी जातियों के लिए वर्ग शत्रु थीं उसी तरह मजबूत पिछड़ी जातियां कमजोर पिछड़ी जातियों के लिए वर्ग शत्रु हो गईं। बिहार में इसी दायरे को बढ़ा कर नीतीश कुमार ने इतने बरसों तक सफल राजनीति की। उन्होंने अगड़ा पिछड़ा के नैरेटिव में चुनाव नहीं जीते, बल्कि पिछड़ा बनाम अति पिछड़ा और दलित बनाम महादलित के नैरेटिव में चुनाव जीते। उत्तर प्रदेश के दो चुनावों में भाजपा की जीत इसी राजनीति का नतीजा थी। लेकिन 2024 में अखिलेश यादव ने सबक लिया और अगड़ा पिछड़ा के पुराने नैरेटिव को सफलतापूर्वक जीवित करने में कामयाब रहे। योगी आदित्यनाथ के राज की जातीय गौरव की कहानियों ने इसमें उनकी मदद की। बहरहाल, पोस्ट मंडल राजनीति में हुए इस सामाजिक वर्गीकरण को कांग्रेस नहीं समझ पा रही है या समझ रही है तो इसके बेहतर राजनीतिक इस्तेमाल के लिए तैयार नहीं है। अगर वह इस सामाजिक वर्गीकरण को समझ ले और तमाम पिछड़ी जातियों की सत्ता में हिस्सेदारी की चाहना को समझ ले तो वह ज्यादा बेहतर ढंग से इसकी राजनीति कर पाएगी। उसे समझना होगा कि अब सत्ता का समीकरण बदल गया है। धरातल पर मौजूद सामाजिक टकरावों की राजनीति में भूमिका बढ़ी है और सिर्फ पिछड़ी जातियां ही नहीं, बल्कि कोई भी जाति होमोजेनस नहीं रह गई है।

अगड़े पूरी तरह के अगड़ों की तरह या पिछड़े पूरी तरह से पिछड़ों की तरह वोट नहीं कर रहे हैं। जातियों की समरूपता टूटने से जटिलता बढ़ी है, जिसको भाजपा ने बेहतर ढंग से समझा है। इतना ही नहीं उसने जाति राजनीति को अलग अलग राज्यों में अलग अलग तरह से लागू किया है, जबकि राहुल गांधी एक साइज का जूता हर पैर में पहनाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा को पता है कि बिहार और यूपी में यादव उसका साथ नहीं देंगे तो उसने गैर यादव पिछड़ी जातियों को साथ जोड़ा लेकिन दूसरी तरफ मध्य प्रदेश और हरियाणा में ऐसा सामाजिक टकराव नहीं है तो वहां यादव के साथ साथ दूसरी पिछड़ी जातियों को भी अपने साथ मिला लिया।

दलित वोट बहुत निर्णायक

अजीत द्विवेदी

हरियाणा ने हवा बदल दी है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद कहा जा रहा था कि चार राज्यों का विधानसभा चुनाव डन डील है। यानी चारों राज्यों में भाजपा हारेगी और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन %इंडिया' की जीत होगी। हर राजनीतिक विश्लेषक और चुनाव रणनीतिकार दावा कर रहा था। कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के नेता भी यही मान रहे थे। जम्मू कश्मीर व हरियाणा के मतदान के बाद आए एक्जिट पोल के नतीजे भी इसी भावना के अनुरूप थे। लेकिन नतीजों ने सब कुछ बदल दिया। हरियाणा में तमाम अनुमानों के उलट भाजपा ने बहुत बड़ी जीत दर्ज की। उसके वोट प्रतिशत में 2014 के मुकाबले सात फीसदी और 2019 के मुकाबले करीब चार फीसदी की बढ़ोतरी हुई और उसने 2014 से भी ज्यादा सीटें जीतीं। जम्मू कश्मीर में नतीजा भाजपा के मनमाफिक नहीं रहा लेकिन उसका वोट शेयर और सीटें दोनों में बढ़ोतरी हुई।

इन दोनों नतीजों के बाद भाजपा को लेकर सारी धारणा बदल गई है। हरियाणा में भाजपा ने दिखाया है कि नतीजे लोकप्रिय अनुमानों के अनुरूप आएं, ऐसा जरूरी नहीं है। आखिरी सांस तक लड़ कर और सारे दांवपेंच आजमा कर चुनाव जीता जा सकता है। इसके लिए %स्ट्रेटेजिक' और %टैक्टिकल' दोनों उपाय आजमाने की जरुरत होती है, जो हरियाणा और जम्मू कश्मीर में भाजपा ने आजमाए। तभी अब महाराष्ट्र और झारखंड का चुनाव पूरी तरह से खुल गया है। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में जिस तरह से कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार की पार्टी ने प्रदर्शन किया उससे लग रहा था कि विधानसभा चुनाव में मुकाबला एकतरफा होगा।

इसी तरह झारखंड में भी जैसे भाजपा की सीटें कम हुईं और वह आदिवासियों के लिए आरक्षित सभी सीटें हार गई उससे भी यह धारणा बनी कि सत्तारूढ़ जेएमएम, कांग्रेस और राजद गठबंधन के लिए मुकाबला बहुत आसान होगा। लेकिन चुनाव की घोषणा तक आते आते दोनों राज्यों में यह धारणा बदल गई है। अब कहीं भी एकतरफा मुकाबले की बात नहीं हो रही है। यहां तक कि चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले सोमवार, 14 अक्टूबर को मल्लिकार्जुन खडगे और राहुल गांधी ने महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक की तो राहुल ने प्रदेश के नेताओं से एक ही बात कही कि, देखिएगा कहीं महाराष्ट्र हरियाणा न हो जाए।

सोचें, इस जुमले पर। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक जुमला बोला था। उन्होंने कहा था कि हरियाणा कांग्रेस के लिए मध्य प्रदेश होने जा रहा है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस जीत के इतने भरोसे में थी कि चुनाव लड़ने की बजाय कमलनाथ शपथ ग्रहण की तैयारियां कर रहे थे और वहां भाजपा दो तिहाई बहुमत से जीती। उसी तरह हरियाणा में चुनाव लड़ने की बजाय भूपेंद्र सिंह हुड्डा शपथ की तैयारी कर रहे थे और भाजपा पिछले दो चुनावों से ज्यादा वोट और सीटों के साथ चुनाव जीत गई। अब राहुल गांधी को चिंता है कि महाराष्ट्र कहीं हरियाणा न हो जाए। यानी जैसे हरियाणा मध्य प्रदेश हुआ वैसे ही महाराष्ट्र हरियाणा भी हो सकता है। यह चिंता अनायास नहीं है, हरियाणा और जम्मू कश्मीर के नतीजों के बाद यह चिंता वास्तविक हो गई है।

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार के पार्टी के गठबंधन यानी महा विकास आघाड़ी को 48 में से 31 सीटें मिलीं और भाजपा का गठबंधन महायुति 17 सीटों पर सिमट गया। यह स्पष्ट रूप से महा विकास अघाड़ी के एडवांटेज की तस्वीर है। लेकिन वोट प्रतिशत में नजदीकी मुकाबला है। भाजपा गठबंधन को करीब 41 फीसदी और कांग्रेस गठबंधन को करीब 44 फीसदी वोट मिले हैं। यानी तीन फीसदी वोट का अंतर है। इसमें भी भाजपा अपना 26 फीसदी के आसपास का वोट बचाए रखने में कामयाब रही है। ध्यान रहे 2014 से अभी तक के पांच चुनावों में चाहे वह शिव सेना के साथ लड़ी या उससे अलग लड़ी, उसको हर बार 25 से 27 फीसदी वोट मिले।

शिव सेना टूटने के बाद जो पहला चुनाव हुआ यानी 2024 का लोकसभा चुनाव उसमें उद्धव ठाकरे की शिव सेना 21 सीटों पर लड़ी और नौ सीट जीती। उसको 16.52 फीसदी वोट मिले। दूसरी ओर एकनाथ शिंदे की शिव सेना 15 सीटों पर लड़ी और सात पर जीती। उसे 13 फीसदी वोट मिले। यानी शिंदे की शिव सेना का स्ट्राइक रेट बेहतर रहा। शिव सैनिकों ने उनका साथ नहीं छोड़ा। हो सकता है कि केंद्र में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए शिव सैनिक उनके साथ गए हों और विधानसभा में उनका मतदान व्यवहार अलग हो। लेकिन कम से कम लोकसभा चुनाव के आंकड़ों से तो नहीं लग रहा है कि शिंदे की शिव सेना बहुत कमजोर है। महायुति की कमजोर कड़ी अजित पवार की पार्टी है।

स्थायी वोट प्रतिशत के अलावा अगर दूसरे पहलुओं को देखें तो लोकसभा चुनाव नतीजे के बाद महायुति की सरकार ने जितने उपाय किए हैं उनसे भी मुकाबला दिलचस्प होने की संभावना बढ़ गई है। राज्य सरकार ने महिलाओं को लडक़ी बहिन योजना के तहत डेढ़ हजार रुपया हर महीना देना शुरू किया है। यह बहुत महत्वाकांक्षी योजना है, जो कर्नाटक से लेकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ तक में सफल साबित हुई है। इस पर राज्य सरकार का हर साल 46 हजार करोड़ रुपया खर्च होना है।

इसके अलावा राज्य सरकार ने लाडला भाई योजना शुरू की है, जिसके तहत 12वीं पास युवाओं को छह हजार रुपए, डिप्लोमा धारी युवाओं को आठ हजार और डिग्रीधारी युवाओं को 10 हजार रुपए महीने की मदद दी जाएगी। इस तरह महिला और युवा दो समूहों को साधने का प्रयास हुआ है। इस बीच केंद्र सरकार ने एकीकृत पेंशन व्यवस्था और आयुष्मान भारत योजना में 70 साल से ऊपर से बुजुर्गों को पांच लाख के मुफ्त इलाज की घोषणा करके सरकारी कर्मचारियों और बुजुर्गों को साधने का प्रयास किया है। राज्य सरकार ने अन्य पिछड़ी जातियों के लिए दो दांव चले हैं। पहला तो यह है कि उसने केंद्र सरकार को सिफारिश भेजी है कि क्रीमी लेयर की सीमा आठ लाख रुपए सालाना से बढ़ा कर 15 लाख किया जाए। दूसरा, उसने सात जातियों को ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल करने का प्रस्ताव भी भेजा है।

लोकसभा चुनाव में तीन प्रतिशत वोट की बढ़त के साथ अगर महा विकास अघाड़ी यानी कांग्रेस, शरद पवार और उद्धव ठाकरे के गठबंधन की बात करें तो उनकी स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत है। इसका एक कारण तो यह है कि मराठा आरक्षण और ओबीसी का विवाद राज्य सरकार ठीक तरीके से हैंडल नहीं कर सकी। मनोज जरांगे पाटिल मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। राज्य सरकार ने धनगर और आदिवासी मुद्दे को भी ठीक से नहीं हैंडल किया, जिससे दोनों समुदाय नाराज हैं। किसान आंदोलन के समय से ही किसान और मराठा दोनों भाजपा से नाराज हैं और वह नाराजगी लोकसभा चुनाव में दिखी भी।

इसके अलावा महाराष्ट्र से बड़ी परियोजनाओं को गुजरात ले जाने से जो विवाद हुआ है और मराठा अस्मिता का मामला जिस तरह से भडक़ा है वह भी सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए चुनौती है। ये दोनों चीजें महा विकास अघाड़ी को चुनावी फायदा पहुंचा सकती हैं। तीसरी बात जो महाविकास अघाड़ी के लिए फायदे वाली हो सकती है वह उद्धव ठाकरे और शरद पवार के प्रति सहानुभूति का भाव है।

यह आम धारणा है कि भाजपा ने दोनों पार्टी तोडऩे में भूमिका निभाई। इससे उद्धव के प्रति सहानुभूति से हिंदू वोटों का तो शरद पवार के प्रति सहानुभूति से मराठा वोटों की गोलबंदी हो सकती है। इसी तरह कांग्रेस की वजह से अघाड़ी के पक्ष में मुस्लिम वोटों की गोलबंदी हो सकती है। हालांकि कांग्रेस और शरद पवार के साथ जाने से उद्धव ठाकरे की कट्टर हिंदू नेता वाली छवि प्रभावित हुई है और उनको मुस्लिमपरस्त बताने का अभियान भी चल रहा है। ऊपर से मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने का मामला भी अटका है।

इनके अलावा महाराष्ट्र में दलित वोट बहुत निर्णायक होगा, जिसको बिखरा देने के प्रयास चालू हो गए हैं। वंचित बहुजन अघाड़ी के प्रकाश अंबेडकर और किसान नेता राजू शेट्टी मिल कर तीसरा मोर्चा बना रहे हैं। इस बीच महायुति के दलित नेता रामदास अठावले ने अपनी आरपीआई को प्रकाश अंबेडकर की पार्टी में मिला देने की बात करके अलग दांव चला है।

विमानों और पायलटों पर जाँच कड़ी ही नहीं औचक भी होनी चाहिए

रजनीश कपूर

मामला देश की एक नई निजी एयरलाइन का है। इसके पास मात्र 25 हवाई जहाज़ हैं। हाल ही में उनमें से 14 हवाई जहाज़ों में रडर कंट्रोल सिस्टम' (पतवार नियंत्रण सिस्टम) को लेकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन डीजीसीए द्वारा नोटिस दिया गया। ग़ौरतलब है कि रडर कंट्रोल सिस्टम' विमान को इंजन फेल होने की स्थिति में उसके निर्धारित मार्ग में चलने में सहायता करता है। इसके अलावा विमान के टेक-ऑफ और लैंडिंग के समय भी विमान को सही दिशा में रखने में सहायक होता है। आज की व्यस्त जिंदगी में हम सभी समय को काफ़ी महत्व देते हैं। कहीं भी यात्रा करनी हो तो हम कोशिश करते हैं कि यात्रा जल्द से जल्द पूरी हो। ऐसे में जो भी लोग हवाई यात्रा का वहन कर सकते हैं वे फ्लाइट से यात्रा करना ही पसंद करते हैं। इसी तरह जो भी व्यक्ति हवाई यात्रा में भी विशिष्ट सेवा लेना चाहते हैं वे निजी चार्टर कंपनियों की सेवा लेते हैं और अपनी सुविधानुसार यात्रा करना पसंद करते हैं। बीते कुछ दशकों में हमारे देश में हवाई यात्रा के आँकड़े काफ़ी तेज़ी से बढ़े हैं। इसके लिए निजी कंपनियों का नागरिक उड्डयन क्षेत्र में आना एक अहम कारण माना जाता है।

अधिक से अधिक निजी एयरलाइन के आने से हवाई यात्रियों को अपनी सुविधानुसार यात्रा करने का विकल्प भी मिला है। परंतु जिस तरह निजी क्षेत्र के यह ऑपरेटर प्रायः मुनाफ़ा कमाने की मंशा से यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर जाते हैं वह चिंताजनक है। आए दिन हमें इस बात की खबरें मिलती हैं कि पुराने इंजन या पुर्ज़ों के चलते कई निजी कंपनियों के विमानों को ग्राउंड' होना पड़ा। कल्पना कीजिए कि यदि किसी विमान में ख़राब इंजन या अयोग्य पाइलट की वजह से कोई हादसा हो जाए तो दोष किसका होगा, विमान कंपनी का या नागरिक उड्डयन मंत्रालय का, या दोनों का ताज़ा उदाहरण देश की एक नई निजी एयरलाइन का है जिसके पास मात्र 25 हवाई जहाज़ ही हैं। हाल ही में उनमें से 14 हवाई जहाज़ों में रडर कंट्रोल सिस्टम' (पतवार नियंत्रण सिस्टम) को लेकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन डीजीसीए द्वारा नोटिस दिया गया। ग़ौरतलब है कि रडर कंट्रोल सिस्टम' विमान को इंजन फेल होने की स्थिति में उसके निर्धारित मार्ग में चलने में सहायता करता है। इसके अलावा विमान के टेक-ऑफ और लैंडिंग के समय भी विमान को सही दिशा में रखने में सहायक होता है।

रडर कंट्रोल सिस्टम' का इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक व मैन्युअल दोनों तरीक़ों से किया जा सकता है। अधिकतर परिस्थितियों में रडर कंट्रोल सिस्टम' का इस्तेमाल मिड-एयर या यात्रा के दौरान नहीं किया जाता। मिसाल के तौर पर यदि आप सडक़ पर अपनी गाड़ी को 100 की स्पीड से चला रहे हैं और ऐसे में यदि आप अपनी गाड़ी का स्टीयरिंग ज़रा सा भी दाँए या बाएँ करेंगे तो कितनी गंभीर दुर्घटना हो सकती है आप इसका अनुमान लगा सकते हैं। ऐसे में यदि रडर कंट्रोल सिस्टम' जाम हो जाए या सही रख-रखाव न होने के कारण उसमें कोई तकनीकी दिक़्क़त आ जाए तो विमान दुर्घटना ग्रस्त भी हो सकता है।

यदि किसी भी एयरलाइन में, फिर वो चाहे शेड्यूल एयरलाइन हो या नॉन-शेड्यूल एयरलाइन, अनुभवी पायलट न हों तो वो इस आपात स्थिति से निपट नहीं पाएगा। यहाँ पर सवाल उठता है कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय व डीजीसीए चुनिंदा निजी विमान कंपनियों व कुछ निजी चार्टर कंपनियों के प्रति इतनी उदार क्यों होती हैं कि उनके विमान व पायलटों की कड़ी जाँच नहीं करती जाँच केवल कड़ी ही नहीं औचक भी होनी चाहिए जिससे कि हर विमान कंपनी चलाने वाले के दिल में इस बात का डर बैठा रहे कि मुनाफ़े के लालच में और भ्रष्टाचार के चलते वह यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ न कर सके। वहीं डीजीसीए में ऐसे तकनीकी विशेषज्ञ अवश्य हों जो ख़ानापूर्ति की नीयत से नहीं बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से ही विमानों और पायलटों की नियम अनुसार जाँच करें। सरकारी तंत्र का हिस्सा बनकर ख़ानापूर्ति करने वाले भ्रष्ट अधिकारियों की भी जाँच मंत्रालय के सतर्कता विभाग से की जानी चाहिए।

हाल ही में फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने एक सुरक्षा चेतावनी जारी की, जिसमें कोलिन्स एयरोस्पेस एसवीओ-730 रडर रोलआउट गाइडेंस एक्चुएटर्स (आरआरजीए) से लैस कुछ बोइंग 737 विमानों में प्रतिबंधित या जाम रडर कंट्रोल सिस्टम' की संभावना के बारे में ऑपरेटरों को चेतावनी दी गई। इस चेतावनी में आगे कहा गया कि नमी जमा होने से, रडर कंट्रोल सिस्टम' उड़ान के दौरान जाम हो सकता है। इतना ही नहीं लैंडिंग के दौरान भी रडर कंट्रोल सिस्टम' जाम हो सकता है। फ्लाइट क्रू को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिबंधित रडर कंट्रोल सिस्टम' स्थितियों से निपटने के लिए बोइंग की प्रक्रियाओं का पालन करें और ऑटोपायलट सिस्टम का उपयोग करके जांच करें। सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइंस को अलर्ट और प्रासंगिक बोइंग मार्गदर्शन से परिचित होना चाहिए। बोइंग ने अगस्त में रडर कंट्रोल सिस्टम' की समस्या से प्रभावित बोइंग 737 ऑपरेटरों को पहले ही सूचित कर दिया था। अब एफएए ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा स्वचालित जांच लैंडिंग से पहले रडर कंट्रोल सिस्टम' की सीमाओं का पता लगा सकती है।

महालक्ष्मी पर्व,दीपोत्सव 2024

शुभं करोति कल्याणमारोग्यं
धनसंपदा!
शत्रुबुद्धिविनाशाय
दीपज्योतिर्नमोऽस्तुते!!

सभी सनातनीय पाठकों धर्मावलंबियों को सादर प्रणाम, नमस्कार, जै माता दी।

आप सभी को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं देवी महालक्ष्मी आप सभी के जीवन में धन, संपदा, आरोग्य, प्रदान करें। अवगत कराना चाहूंगी दिनांक 1 नवम्बर 2024 दिन शुक्रवार को महालक्ष्मी, दीपोत्सव का पर्व मनाया जाएगा।

प्रत्येक वर्ष कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को दीपावली का पर्व मनाया जाता है। इस वर्ष अमावस्या तिथि दो दिन पढ़ने के कारण शस्त्रानुसार सभी गृहस्थियों को प्रथम दिवस यानि 31 अक्टूबर 2024 को पितृ पूजन तथा द्वितीय दिवस यानी एक नवंबर 2024 दिन शुक्रवार को दीपावली पर्व मनाना शास्त्र सम्मत रहेगा। इस वर्ष दीपावली पर कुछ दुर्लभ संयोग बन रहे है जो कि सभी राशि के जातकों को अत्यंत शुभ फल प्रदान करेंगे -

दीपोत्सव पर्व पर स्वाति नक्षत्र जो की अत्यंत ही शुभ माना जाता है साथ ही इस वर्ष दीपोत्सव पर देवी लक्ष्मी का अत्यंत शुभ शुक्रवार भी पड़ रहा है जिसमें लक्ष्मी पूजन अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा। इसके अतिरिक्त प्रीति योग, शुक्र बुध की युति से महालक्ष्मी योग का निर्माण हो रहा है,आयुष्मान योग, तथा शनि देव अपनी स्व राशि कुंभ में बैठकर धन-धान्य में वृद्धि करेंगे।

आध्यात्मिक रूप से दीपावली पर्व अन्धकार पर प्रकाश की विजय को दर्शाता है। दीपावली एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ ही दीप+आवली से है जिसमें दीप का अर्थ दीपक से और आवली का अर्थ पंक्ति से है यानी दीपों की पंक्ति को भी दीपावली पर्व कहा गया है।

धार्मिक मान्यतानुसार दीपावली पर्व मनाने का मुख्य कारण यह है कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को भगवान श्री राम चौदह वर्ष के वनवास को पूर्ण कर पुन: अपनी नगरी अयोध्या लौटे थे।अयोध्यावासियों का हृदय अपने परम प्रिय राजा के आगमन से प्रफुल्लित हो उठा श्री राम के स्वागत हेतु अयोध्या वासियों ने घी के दीपक जलाए। कार्तिक माह की सघन काली अमावस्या की वह रात्रि दियों की रोशनी से जगमगा उठी। तभी (त्रेता युग) से प्रतिवर्ष हिंदू धर्म में दीपावली पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

लक्ष्मी पूजा शुभ मुहूर्त

अमावस्या तिथि प्रारंभ 31 अक्टूबर 2024 अपराह्न 3:55 से दिनांक 1 नवंबर 2024 दिन शुक्रवार सायंकाल 6:18 तक।

महालक्ष्मी पूजा में प्रदोष काल का विशेष महत्व है

श्री महालक्ष्मी पूजा मुहूर्त 1 नवम्बर 2024 प्रदोष काल एवं वृषभ काल में सायं- महालक्ष्मी पूजा (प्रदोष काल) पूजा मुहूर्त 5:23 से 8:01 तक। वृषभ काल पूजा मुहूर्त सायंकाल 6:19 से रात्रि 8:14 तक। चौघड़िया मुहूर्त 7:53 मिनट से 9:15 तक। महानिशा काल पूजा मुहूर्त रात्रि 11:24 से 12:23 तक। सिंह काल पूजा मुहूर्त रात्रि 12:49 से 3:08 तक।

दीप संख्या व स्थान

दीपावली पर्व पर नौ (9) या तेरह(13) दीपक जलाना शुभ माना जाता है इसके अतिरिक्त एक दीपक गाय के घी का जिसकी चार बत्तियां हो मंदिर में पूर्ण रात्रि (अखण्डज्योति) जलाना शुभ माना जाता है।

प्रथम दीपक मंदिर में दूसरा दीपक रसोई घर में व तीसरा दीपक तुलसी पर प्रज्वलित करें। तदोपरांत बचे हुए दीपक संपूर्ण घर में प्रज्वलित करें। एक दीपक पितरों को समर्पित करें, दो मुख्य द्वार पर, एक दीपक नल के समीप रखें ,बेल के पेड़ के नीचे दीपक जलाने से महादेव प्रसन्न होते हैं।

पूजा विधि

दीपावली पर्व पर श्री गणेश व देवी लक्ष्मी जी की पूजा का विधान है। दीपावली पर्व पर सफाई का विशेष ध्यान रखें। नित्य कर्म से निवृत्त होकर पूरे घर को पूजा स्थल को स्वच्छ करें। दीप प्रज्वलित करें। चौकी पर लाल रंग का आसन बिछा कर गणेश-लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। इनके साथ भगवान कुबेर, मां सरस्वती और कलश की स्थापना करें।

ऊं अपवित्र: पवित्रो वा सर्वावस्थां
गतोपिवा।
य: स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स:
वाह्याभंतर: शुचि:।

मंत्र का जाप करते हुए तीन बार गंगा जल से छिड़क कर पूजा स्थल को शुद्ध करें। पूजन का संकल्प लेते हुए भगवान गणेश और कलश की पूजा करें। हाथ में फूल लेकर गणेश जी का ध्यान करें। देवी लक्ष्मी को आमंत्रित करें। दोनों को वस्त्र, रोली, कुमकुम, अक्षत, पुष्प, पंचामृत, पंच मेवा, पंच मिठाई , कमल पुष्प, खीले, बतासे अर्पित करें। घी की अखण्ड ज्योति प्रात: काल से ही प्रज्वलित करें। देवी लक्ष्मी के आठों रूपों का इन मंत्रों के साथ आवाह्न करें-

पूर्व दिशा से प्रारंभ कर घड़ी की सुई की दिशा के क्रम से आठों दिशाओं में पूजन करें-

पूर्व दिशा में :- 'ऊँ आद्यलक्ष्म्यै नम:'
आग्नेय कोण में :- 'ऊँ विद्यालक्ष्म्यै नम:'
दक्षिण दिशा में :- 'ऊँ सौभाग्यलक्ष्म्यै नम:'
नैऋत्य कोण में :- 'ऊँ अमृतलक्ष्म्यै नम:'
पश्चिम दिशा में :'ऊँ कामलक्ष्म्यै नम:'
वायव्य कोण में :- 'ऊँ सत्यलक्ष्म्यै नम:'
उत्तर दिशा में :- 'ऊँ भोगलक्ष्म्यै नम:'
ईशान कोण में :- 'ऊँ योगलक्ष्म्यै नम:'।।

घर में सोना ,चांदी, आभूषण, द्रव्य आदि देवी लक्ष्मी के समक्ष अर्पित करें। इन मंत्रों से देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करें ङ्क

ऊँ श्रींह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ऊँ महालक्ष्मी नम:।।

ऊँ ह्रीं श्री क्रीं क्लीं श्री लक्ष्मी मम गृहे धन पूरये, धन पूरये, चिंताएं दूरये-दूरये स्वाहा:।

'ऊँ श्रीं ल्कीं महालक्ष्मी महालक्ष्मी एह्येहि सर्व सौभाग्यं देहि मे स्वाहा।।

देवी लक्ष्मी के सूक्त मंत्र का पाठ कर सकते हैं। घी के दीपक से आरती करें। पूरे घर पर खीले का छिड़काव करें। देवी लक्ष्मी आप सभी के घरों में प्रसन्नता, धन-धान्य, संपदा, आरोग्य प्रदान करें। दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं।

- ज्योतिषाचार्य डॉ मंजू जोशी

हिंदू समाज का सशस्त्रीकरण

छत्तीसगढ़ एक बार फिर गलत कारण से चर्चा में है। छत्तीसगढ़ की पुलिस और प्रशासन के रवैए से और भाजपा सरकार की चुप्पी से यह प्रश्न खड़ा होता है कि हमारे देश और यहां के नागरिकों के लिए क्या फिलिस्तीन शत्रु-राष्ट्र है? इससे पहले जून में छत्तीसगढ़ तब चर्चा में आया था, जब भाजपा सरकार के आने के तीन दिन बाद ही उत्तरप्रदेश से आए तीन पशु व्यापारियों और परिवहन कर्मियों की आरएसएस और भाजपा से जुड़े गौ-गुंडों ने हत्या कर दी थी। यह मॉब-लिंचिंग का नहीं, बल्कि हत्या का सुनियोजित मामला था। यह ऐसा मौका था, जब भाजपा सरकार अल्पसंख्यकों को यह भरोसा दे सकती थी कि उसके राज में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार नहीं होगा और जाति-धर्म से परे सभी नागरिकों से समान व्यवहार होगा और कानूनी प्रक्रिया से यह सुनिश्चित किया जाएगा। लेकिन इसके विपरित, सरकार द्वारा गठित एक एसआइटी के जरिए सभी मृतकों द्वारा आत्महत्या किए जाने का फर्जी निष्कर्ष निकालकर वास्तविक हत्यारों को बरी कर दिया गया। इस घटना का पूरे देश में विरोध हुआ था, लेकिन भाजपा और उसकी सरकार को कोई फर्क पडऩा नहीं था। अब 16 सितंबर को ईद मिलादुन्नवी के दिन बिलासपुर में 5 मुस्लिम नौजवानों को घरों और मोहल्ले में फिलिस्तीन का झंडा लगाने के कथित अपराध में भारतीय न्याय संहिता की धारा 197(2), जो देश की अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कृत्यों से संबंधित है और जिसके लिए 5 वर्ष की सजा का प्रावधान है, के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया है। यह घटना उस शहर में हुई है, जिसे छत्तीसगढ़ की न्यायधानी माना जाता है, क्योंकि प्रदेश का उच्च न्यायालय यहां पर है और इसलिए यह भी कहा जा सकता है कि पूरी घटना उच्च न्यायलय के नाक के नीचे हुई है। ये गिरफ्तारियां संघी गिरोह से जुड़े लोगों और संगठनों की इस शिकायत के बाद की गई थी कि फिलिस्तीन का झंडा फहराने वाले लोग आतंकवादी हैं और ऐसा कृत्य देशद्रोह है। पूरे मामले को हिंदू बनाम मुस्लिम का बनाकर मुस्लिम समुदाय के खिलाफ आग उगलने वाले वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल किए गए थे। धर्मनिरपेक्ष सोच रखने वाले नागरिक मंच के साथ मिलकर मुस्लिम समुदाय द्वारा किए गए कड़े प्रतिरोध के बाद जिला प्रशासन को गिरफ्तार युवकों को जमानत देने के लिए बाध्य होना पड़ा। उन्मादी-हिंदू संगठनों के दबाव में गिरफ्तार युवकों को जेल में ही रखने की कोशिश में सिटी मजिस्ट्रेट 24 घंटों तक लुकाछिपी का खेल खेलते रहे और कानून की आंखों में धूल झोंकते रहे। ये उन्मादी संगठन मुस्लिमों को आतंकवादी बताकर उन्हें बिलासपुर (और छत्तीसगढ़) में न रहने देने तथा मुस्लिमों के खिलाफ हिंदुओं को हथियार उठाने और अपनी रक्षा के लिए हिंदू समाज का सशस्त्रीकरण करने की गैर-कानूनी बात खुले तौर पर आम सभाओं में कर रहे हैं, लेकिन भाजपा सरकार के संरक्षण के चलते इनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। यह एक उदाहरण है कि भाजपा शासित राज्यों में किस प्रकार मुस्लिम त्योहारों को भी उन पर हमले के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे ही हमले मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश में भी हुए हैं, हो रहे हैं। मोहर्रम के मौके पर इसी जुलाई में जम्मू-कश्मीर, बिहार, मध्यप्रदेश और झारखंड में भाजपा तथा विहिप नेताओं की शिकायतों पर यूएपीए तथा बीएनएस के अंतर्गत मामले दायर किए गए हैं, गिरफ्तारियां की गई है। अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरती बातें फैलाकर समाज को सांप्रदायिक आधार पर बांटने का कोई भी मौका भाजपा छोडऩा नहीं चाहती। नफरती बातें करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने का सुप्रीम कोर्ट का आदेश यहां कचरे की टोकरी में पड़ा हुआ है और यहां का उच्च न्यायालय इन सब घटनाओं का मूकदर्शक बना हुआ है, जो पिछले एक दशक में न्यायपालिका के क्षेत्र में आई गिरावट का ही प्रतीक है। पूरी दुनिया के लिए फिलिस्तीन आज राजनैतिक सवाल है। 20 सदी के अंत तक जहां दुनिया के तमाम पराधीन देश राजनैतिक रूप से स्वतंत्र हो चुके हैं, 21वीं सदी में आज भी फिलिस्तीन एक ऐसा देश है, जो अपनी मातृभूमि की आजादी के लिए और इजरायल के प्रभुत्व से मुक्ति के लिए लड़ रहा है और जिसे दुनिया के उन सभी लोगों, समुदायों और संगठनों का समर्थन प्राप्त हैं, जो शांति, न्याय और आजादी के हक में है और यह समझते हैं कि फिलिस्तीन ठीक उसी प्रकार फिलिस्तीनियों का है, जिस प्रकार भारत भारतवासियों का है और फ्रांस फ्रांसीसियों का, और जो इसीलिए फिलिस्तीनी भू-भाग को हड़प-हड़पकर वहां इजरायली बस्तियां बसाने की इजराइली सरकार की विस्तारवादी नीतियों का विरोध कर रहे हैं। इजरायल ने 1967 के बाद से फिलिस्तीन के पश्चिमी तट, गाजा पट्टी और पूर्वी येरूशलम पर कब्जा करके अपने भू-भाग का विस्तार किया है। फिलिस्तीनियों के हो रहे कत्लेआम के खिलाफ पूरी दुनिया में हो रहे विरोध प्रदर्शनों में वे लाखों इजरायली नागरिक भी शामिल है, जो नेतन्याहू सरकार की विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ हैं। भारत में भी बड़े पैमाने पर इजरायल और मोदी सरकार की इजरायलपरस्त नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन हुए हैं। इजराइली सरकार इसे यहूदी बनाम मुस्लिम का मुद्दा बनाकर पेश कर रही है और इजरायल की इस मुहिम को अमेरिका और साम्राज्यवादी देशों का समर्थन मिल रहा है। दुर्भाग्य की बात है कि अपनी मुस्लिम विरोधी नीतियों के कारण मोदी सरकार भी इजरायल और अमेरिका के साथ खड़ी हो गई है। मोदी सरकार का यह रुख फिलिस्तीन के मामले में हमारी स्वतंत्रता के बाद से अपनाए गए रुख से बिलकुल अलग है। इस देश के लोगों ने अपने स्वाधीनता संघर्ष के दौर से ही फिलिस्तीन आंदोलन का समर्थन किया है। इस नीति को विकसित करने में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आजादी के बाद यह हमारे देश की विदेश नीति का हिस्सा बनी, जिसे देश की किसी भी सरकार ने नकारने का साहस नहीं किया और जिसे हमारे देश के लोगों और लगभग सभी राजनैतिक पार्टियों की सहमति हासिल है।

क्या सोने से ठीक पहले पीती हैं पानी? अपनी सेहत को ये नुकसान पहुंचा रही हैं आप

हाइड्रेटेड रहना ओवरआल हेल्थ के लिए बेहद जरूरी है.पर आपको जानकर हैरानी होगी कि शरीर के लिए जितना आपका पानी पीना जरूरी है उतना ही इंपॉर्टेंट ये भी है कि आप किस समय पानी पी रहे हैं. जी हां पानी पीने का समय आपकी सोच से भी कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. कई लोगों का मानना है कि सोने से पहले पानी पीने से वह रात भर हाइड्रेटेड रह सकते हैं. अगर आप भी ऐसा ही सोचते हैं या फिर करते हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है. आज हम आपको सोने से पहले पानी पीने के फायदे और नुकसान के बारे में बताएंगे. यह भी बताएंगे कि इससे आपकी नींद कैसे प्रभावित हो सकती है.

डिहाइड्रेशन से बचाएगा

सोने से पहले पानी पीने से डिहाइड्रेशन को रोकने में मदद मिल सकती है, जो बॉडी के टेंपरेचर रेगुलेशन, वेस्ट रिमूवल और जॉइंट लुब्रिकेशन को सपोर्ट करता है. खास तौर पर यह उन लोगों के लिए बहुत ही ज्यादा फायदेमंद है जो गर्म तापमान में रहते हैं या फिर जिन्हें रात में पसीना आता है. अच्छी तरह से बॉडी को हाइड्रेटेड रखने से बॉडी टेंपरेचर को कम किया जा सकता है जो अच्छी नींद में भी फायदेमंद है.

बूस्ट करता है मूड

पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से मूड बेहतर होता है और चिड़चिड़ापन कम होता है. एक अध्ययन में पाया गया कि जिन व्यक्तियों ने पानी का सेवन बढ़ाया, उनमें इमोशनल स्टेबिलिटी और आंतरिक शांति मिलती है. रात में पानी पीकर सोने से तनाव और चिंता से मुक्ति मिलती है और आरामदायक नींद में भी मदद मिलती है.

नेचुरली डिटॉक्स एंड इम्यून सपोर्ट

सोने से पहले गर्म पानी पीना शरीर के लिए एक नेचुरल क्लींजर के रूप में काम कर सकता है. ये डाइजेशन को बेहतर बनाने में मदद करता है और पसीने के प्रोडक्शन को बढ़ाता है, जो बदले में शरीर से टॉक्सिक सब्स्टेंस को बाहर निकालने में सहायता करता है. इसके अलावा, सोने से पहले गर्म पानी में नींबू मिलाने से न केवल स्वाद बढ़ता है बल्कि विटामिन सी भी बढ़ता है, जिससे आपके इम्युनिटी सिस्टम को इंफेक्शन से लडने की क्षमता बढ़ती है.

नोक्टूरिया का रिस्क

सोने से पहले पानी पीने के सबसे महत्वपूर्ण नुकसानों में से एक है नोक्टूरिया का जोखिम बढना, एक ऐसी स्थिति जिसमें रात में बार-बार पेशाब करने के लिए जागना शामिल है. स्लीप साइकिल में यह व्यवधान नींद की गुणवत्ता को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है, जिससे प्रोडक्टिविटी में कमी, मूड स्विंग्स और यहां तक कि अवसाद और अन्य स्वास्थ्य स्थितियों का जोखिम भी बढ़ सकता है.

हार्ट हेल्थ पर प्रभाव

बार-बार बाथरूम जाने के कारण नींद की कमी से हार्ट हेल्थ पर लॉन्ग टाइम एफेक्ट भी पड़ सकता है. पर्याप्त नींद की कमी से हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल और यहां तक कि दिल की बीमारियों जैसी स्थितियों के विकसित होने का जोखिम बढ़ जाता है. हेल्थ एक्सपर्ट्स नोक्टूरिया की संभावना को कम करने के लिए सोने से कम से कम दो घंटे पहले पानी पीने से बचने की सलाह देते हैं.

बेहतर नींद के लिए हाइड्रेशन टिप्स

पूरे दिन स्टेबल हाइड्रेशन बनाए रखने के लिए सोने से ठीक पहले के बजाय हर मील के साथ एक गिलास पानी पिएँ.

फलों और सब्जियों का सेवन बढ़ाएँ, जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है और ये आपकी हाई वॉटर कंटेंट की ज़रूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं.

देर शाम को कैफीन और शराब से बचें, क्योंकि ये पदार्थ यूरिन प्रोडक्शन को बढ़ा सकते हैं और आपकी स्लीप साइकिल में बाधा डाल सकते हैं.

ठंड में गीजर के पानी से नहाते हैं तो सावधान

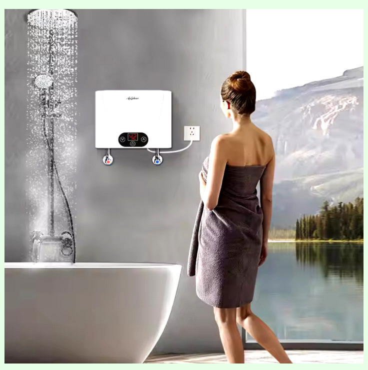

सर्दियां आने वाली हैं. इस मौसम में कडक़ड़ाते ठंड से खुद को बचाने के लिए लोग कई उपाय करते हैं. कुछ लोग तो इस मौसम में कई-कई दिनों तक नहाए बिना ही रहते हैं, जबकि बहुत से लोग गीजर के गर्म पानी से डेली नहाते हैं.

गीजर के पानी से नहाने से उन्हें सुकून भी मिलता है और शरीर को रिलैक्स भी महसूस होता है लेकिन क्या आप जानते हैं, सर्दियों में गीजर के पानी से नहाने से कई नुकसान भी हो सकते हैं. इससे सेहत को खतरा हो सकता है, इसलिए सावधानियां भी बरतनी चाहिए. आइए जानते हैं सर्दियों में गीजर के पानी से नहाने के क्या नुकसान हो सकते हैं...

त्वचा की समस्याएं- सर्दी के मौसम में गीजर के पानी से नहाने से स्किन की समस्याएं हो सकती हैं. गर्म पानी त्वचा की नमी को खत्म कर देता है, जिससे त्वचा रुखी और बेजान हो जाती है. इससे त्वचा पर दाग-धब्बे, खुजली और जलन हो सकती है. अगर स्किन संसेटिव है तो ज्यादा सावधानी रखने की जरूरत है. इसलिए सर्दी में जब भी गीजर के पानी से नहाएं तो उसके बाद हाइड्रेटिंग मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल जरूर करें.

बाल झड़ सकते हैं.- गीजर के पानी से नहाने से बालों से जुड़ी की समस्याएं भी हो सकती हैं. गर्म पानी बालों की जड़ों को कमजोर कर देता है, जिससे बाल टूटने लगते हैं. इससे बालों का झड़ना और गंजापन हो सकता है. सर्दियों में बाल धोने के लिए हमेशा गुनगुने पानी का ही इस्तेमाल करना चाहिए. इसके बाद मॉइस्चराइजिंग हेयर कंडीशनर लगाना चाहिए, ताकि बाल झड़ने की समस्या न हो.

हार्ट डिजीज का खतरा- गीजर के पानी से नहाने से दिल की बीमारियों का खतरा भी रहता है. दरअसल, गर्म पानी से नहाने से रक्तचाप यानी ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है, जिससे हार्ट पर दबाव पड़ता है. इससे हार्ट बीट भी प्रभावित हो सकती है. इसलिए ठंड के मौसम में ज्यादा गर्म पानी से नहाने से बचें और पानी का टेंपरेचर मेंटेन रखें.

फेफड़ों की समस्याएं- गीजर के पानी से नहाने से फेफड़ों की समस्याएं भी हो सकती हैं. गर्म पानी से नहाने से फेफड़ों में सूजन हो सकती है, जिससे सांस लेने में परेशानी हो सकती है, जो बाद में गंभीर भी बन सकती है, इसलिए सावधान रहना चाहिए.

मांसपेशियों में खिंचाव- अगर आप गर्म पानी में ज्यादा समय तक नहाते हैं तो मांसपेशियों और जोड़ों पर ज्यादा दबाव पड़ सकता है. इससे खिंचाव और बहुत दर्द हो सकता है. अगर किसी को गठिया या मांसपेशियों से जुड़ी समस्याएं हैं तो उन्हें इससे बचकर ही रहना चाहिए.

ठंड में गीजर के पानी से नहाने की सावधानियां

1. नहाने के लिए गर्म पानी की जगह गुनगुने पानी का ही इस्तेमाल करें.

2. नहाने के बाद स्किन पर मॉइस्चराइजर लगाएं.

आपके लुक को खराब कर सकती हैं मैनिक्योर से जुड़ी ये गलतियां

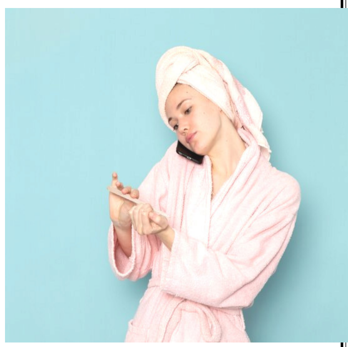

अपने लुक को अच्छा बनाने के लिए शरीर के हर अंग का साफ़ और सुंदर होना जरूरी हैं. इसी में महिलाएं पैरों की सुदरता के लिए मैनिक्योर की मदद लेती हैं. ज्यादातर महिलाएं इसे पार्लर में ही करवाना पसंद करती हैं. हांलाकि कई लोग इसे घर पर भी करते हैं. लेकिन देखा जाता हैं कि सही जानकारी ना होने की वजह से महिलाएं मैनिक्योर से जुड़ी कुछ गलतियां कर बैठती हैं जिसकी वजह से नेल्स पर किसी तरह का विपरीत प्रभाव भी पड़ सकता हैं और यह लुक को बर्बाद कर सकता हैं. ऐसे में आज हम आपके लिए मैनिक्योर से जुड़ी उन गलतियों की जानकारी लेकर आए हैं जो आप जाने-अनजाने में कर देती है और इनसे आपको बचने की ज़रूरत है।

टूल्स को क्लीन ना करना

मैनीक्योर करने के लिए आप कई तरह के टूल्स का उपयोग करते हैं। जो बिना सफाई के होते हैं, ये आपके लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। बिना धोए उपकरण का उपयोग करने से उसमें मौजूद गंदगी और बैक्टीरिया आपको हाथों व नाखूनों को संक्रमित कर सकते हैं। इसलिए पहले उपकरणों को कीटाणुनाशक चीजों से धोकर टूल्स को डिसइंफेक्ट करें और इस्तेमाल के बाद भी उन्हें अच्छी तरह साफ करके ही रखें।

शुरूआत में नेल्स को शेप ना देना

कई बार ऐसा होता है कि हम नेल्स को पेंट करते समय सीधे ही नेल पॉलिश को अप्लाई करना शुरू कर देती हैं। हालांकि, यह हमारी सबसे बड़ी गलती है। हमेशा मैनीक्योर की शुरूआत में और नेल पेंट एप्लिकेशन से पहले नेल को शेप देना बेहद जरूरी है। बाकी सब से पहले, अपने नाखूनों को वांछित आकार में काटें और आकार दें। इसके बाद ही आप आगे बढ़ें। यदि आप इसे अंत में करती हैं, तो आपके नेल पेंट के खराब होने की अधिक संभावना है।

बेसकोट का उपयोग नहीं करना

मैनीक्योर करने से पहले बेस कोट का उपयोग करना काफी जरूरी होता है, जो महिलाएं नही करती हैं। बेस कोट का उपयोग आपके नेल्स के लिए एक प्रोटेक्टिव लेयर की तरह काम करता है। इस लिए हर बार मैनीक्योर करते हुए नेलपेंट लगाने से पहले बेस कोट को जरूर लगाएं।

नाखूनों को फाइलिंग आगे पीछे करना

नाखूनों को बफर करते समय, अधिकांश महिलाएं अच्छा शेप देने के चक्कर में फाइल को आगे पीछे करके रगड़ देती हैं, जिससे नाखून कमजोर होने के साथ जड़ों पर छोटी-छोटी दरारें पड़ जाती हैं, जो भले ही दिखाई ना देती हो लेकिन जब आप नेल पॉलिश लगाते हैं, तो यह उन दरारों में भर जाता है, जो नाखून के लुक को खराब कर देता है। यदि आप नाखून का लुक अच्छा पाना चाहती हैं तो बफर का इस्तेमाल एक तरफ से करें।

क्यूटिकल्स पर ध्यान ना देना

अमूमन मैनीक्योर करते समय हम नेल्स को शेप तो देते हैं और उसके बाद सीधे ही नेलपेंट अप्लाई करना शुरू कर देते हैं। हालांकि क्यूटिकल्स पर ध्यान देना भी उतना ही जरूरी है। अगर आपने पार्लर में मैनीक्योर करवाते हुए ध्यान दिया होगा तो आपने यकीनन देखा होगा कि प्रोफेशनल पहले क्यूटिकल्स को पीछे पुश करते हैं। घर पर ही ऐसा करना जरूरी है। हालांकि आप क्यूटिकल्स को कट भी कर सकती हैं। लेकिन ऐसा बेहद ही सावधानी के साथ करें। अगर आप क्यूटिकल्स को ओवरकट करती हैं तो इससे ना केवल आपको दर्द होगा, बल्कि इससे संक्रमण का खतरा भी काफी बढ़ जाएगा।

क्यू-टिप का इस्तेमाल

जब भी आप नेलपेंट लगाए तो क्यू-टिप का इस्तेमाल ना करें इससे कॉटन के छोटे-छोटे स्टैंड्स आपकी नेल पॉलिश में चिपक जाते हैं,जो आपके नाखून के लुक को खराब कर देते हैं। क्यू-टिप की जगह आप बेहद पतले मेकअप ब्रश या फिल नेलपेंट रिमूवर का उपयोग करें।

मेटल टूल्स का इस्तेमाल करना

इन दिनों मेटल क्यूटिकल्स पुशर का इस्तेमाल करना लड़कियां काफी पसंद करती हैं। जबकि क्यूटिकल्स को पुश करने की आवश्यकता होती है, लेकिन आपको इसे मेटल पुशर के साथ करने से बचना चाहिए। खासकर यदि आप एक मैनीक्योर बिगनर हैं। यह आपके नाखूनों को नुकसान पहुंचा सकता है और आपको दर्द दे सकता है। इसकी जगह लकड़ी के क्यूटिकल पुशर का इस्तेमाल करें। यह आपके नाखूनों को नुकसान पहुंचाए बिना कुशलतापूर्वक काम करता है।

नेल पॉलिश का उपयोग त्वचा के आसपास नहीं करनी चाहिए

ज्यादातर महिलाएं नाखूनों को शार्प नही करती हैं, और सीधे नेल पेंट लगा लेती हैं। जिससे नाखून और नेल पॉलिश के बीच पानी फंस जाता है, वहां जाकर चिपक जाता है इसलिए, अपना मैनीक्योर करते समय नाखून के इन किनारों के आसपास नेल पेंट का उपयोग करना न भूलें।

नाखूनों को ठंडे पानी में डालें

नेल पेंट लगाने के बाद आप बर्फ के पानी में अपने नाखून को डालें, इससे नेल पेंट जल्दी और आसानी से सूखता है। यह बात तो हर कोई जानता है कि नेल्स पर नेलपॉलिश का उपयोग करने के बाद इसे सुखाने के लिए उँगलियों को ठंडे पानी में डाल लेना चाहिए। क्योंकि, ठंडे पानी के कारण नेल पेंट जल्दी सूख जाते हैं और यह जल्दी फैलता भी नहीं है।

विभिन्न मुद्दों पर सरकार पूरी तरह से फेल : हरीश रावत

रुड़की । पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि प्रदेश में महंगाई चरम सीमा पर है और विभिन्न मुद्दों पर सरकार पूरी तरह से फेल है। जबकि कांग्रेस एक मजबूत विपक्ष के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रही है। उन्होंने कहा सरकार चुनावों से पीछे भागती नजर आ रही है चाहें छात्र संघ चुनाव हो या निकाय चुनाव। सरकार अपनी हठधर्मिता पर उतारू है।

रामनगर चौक स्थित होटल में बातचीत करते हुए पत्रकारों को दीपावली की शुभकामनाएं दी और पहाड़ी एवं देसी व्यंजनों का उन्हें स्वाद चखाया। साथ ही कहा कि रुड़की में सोलानी नदी का पुल और मंगलौर गंगनहर पर बना पुल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। आज तक इन पुलों की मरम्मत का कोई कार्य शुरू नहीं हुआ जिससे आम जनता परेशान है। उन्होंने इकबालपुर शुगर मिल पर बकाया 110 करोड रुपए का भुगतान न होने और मिल के चलने के आसार नहीं हैं और कहा कि किसानों के हित में मिल को जल्दी से जल्दी चलाया जाना चाहिए।

उन्होंने स्मार्ट मीटर को उपभोक्ताओं के साथ ठगी बताया और कहा कि सरकार पानी को भी प्राइवेट सेक्टर को दे रही है बिजली को भी प्राइवेट सेक्टर दे रही है और पूरी तरह से व्यवस्थाएं चरमरा रही हैं। उन्होंने दीपावली के शुभ अवसर पर पत्रकारों से कहा कि रुड़की की जन समस्याओं के लिए ही नहीं वह प्रदेश भर की जन समस्याओं के लिए सजग है। जिस तरह से बद्रीनाथ धाम और मंगलोर का उपचुनाव कांग्रेस ने जीता है इस तरह से केदारनाथ में भी कांग्रेस की जीत सुनिश्चित है। निकाय चुनाव और छात्र संघ चुनाव के बारे में रावत ने कहा कि सरकार इस मामले में हठधर्मिता अपनाए हुए है और चुनाव से पीछे भाग रही है। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता श्री गोपाल नारसन के संयोजन में आयोजित पत्रकार वार्ता में भगवानपुर विधायक ममता राकेश , झबरेड़ा विधायक वीरेंद्र जाती , वीरेंद्र रावत, ब्रह्म स्वरूप ब्रह्मचारी, पूर्व सांसद ईसम सिंह, पूर्व सांसद राजेंद्र बाड़ी, डॉ संजय पालीवाल, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी पूर्व मेयर यशपाल राणा, ओबीसी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष डॉ गौरव चौधरी, पूर्व अध्यक्ष कलीम खान जितेंद्र पंवार, सुरेंद्र कुमार सैनी, डॉ श्याम सिंह नाग्यान, सुधीर शांडिल्य, राव शेर मोहम्मद, अनिल पुंडीर एडवोकेट, संतोष चौहान, राजवीर सिंह, संजय सैनी, सुभाष सैनी, राजकुमार सैनी, पंकज सैनी, नीरज अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

छात्र नेताओं ने कुलपति की शव यात्रा निकाली

ऋषिकेश । श्रीदेव सुमन विवि परिसर ऋषिकेश में छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर आंदोलन अग्र हो गया है। बीते कई दिनों से संयुक्त छात्र संघर्ष समिति का धरना चल रहा है। शनिवार को समिति सदस्यों ने कुलपति की शव यात्रा निकाली। उन्होंने कुलपति को बर्खास्त करने व चुनाव जल्द करवाने की मांग की। शनिवार को संयुक्त छात्र संघर्ष समिति के बैनर तले विभिन्न छात्र संगठन से जुड़े छात्र नेता श्रीदेव सुमन विवि परिसर के गेट पर एकत्रित हुए। छात्र नेताओं ने विवि परिसर गेट से लेकर त्रिवेणी घाट चौराहे तक कुलपति की शव यात्रा निकाली। संघर्ष समिति का नेतृत्व कर रहे पूर्व छात्र संघ यूआर नितिन सक्सेना व अधिवक्ता जितेंद्र पाल पाठी ने कहा कि जिस यूनिवर्सिटी कैलेंडर का हवाला हाईकोर्ट में दिया गया है कि 30 सितम्बर तक चुनाव सम्पन्न हो जाने चाहिए। उस कैलेंडर के हिसाब से अब तक न तो प्रवेश प्रक्रिया पूरी की गई है और न ही चुनाव करवाए गए हैं। जबकि उस कैलेंडर और लिंगदोह कमेटी के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया के 8 सप्ताह के भीतर चुनाव होने चाहिए थे। लेकिन कॉलेज में अभी भी अभी भी समर्थ पोर्टल पर प्रवेश खोले गए हैं जो यूनिवर्सिटी कैलेंडर का उल्लंघन है। इससे प्रतीत होता है कि कुलपति अपने पद का संवेधानिक रूप से दायित्वों का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं। कुलपति की खामियों की वजह से प्रदेश में छात्र-छात्राएं उग्र आंदोलन को बाध्य हो गए हैं। उन्होंने कुलपति को बर्खास्त करने की मांग की। पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष विवेक शर्मा व पूर्व छात्र संघ महासचिव दीपक भारद्वाज ने कहा कि समय-समय पर लिंगदोह कमेटी के नियामानुसार चुनाव होते आए हैं। जिसको कॉलेज प्रशासन नियमावली अनुसार कराता रहा है। इस बार कुलपति महोदय की लेटलतीफी के कारण चुनाव नहीं हो पाए। जिसका खामियाजा छात्र नेताओं को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कुलपति को बर्खास्त करने, यूनिवर्सिटी कलेंडर परिवर्तित कर चुनाव बहाल किए जाने की मांग की। मौके पर रवि सिंह बिष्ट, मयंक भट्ट, अनिरुद्ध शर्मा, रूबी, वैभव रावत, आशा चौधरी, राजकुमार, मानव रावत, शिवम शाह, इमरान खान, सुभम शर्मा, नीव निवर्तमान छात्र संघ अध्यक्ष हिमांशु जाटव, महासचिव राघवेन्द्र मिश्रा, सहसचिव राहुल गौतम, संजय बहुगुणा अमन निषाद आदि उपस्थित रहे।

130 नई बसें उत्तराखण्ड परिवहन निगम के बेड़े में शामिल

सीएम ने दीपावली पर्व पर प्रदेशवासियों को दी 130 नई बसों की सौगात

देहरादून। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तराखंड परिवहन निगम के बेड़े में 130 नई बसों को शामिल कर राज्य के विकास में एक और महत्वपूर्ण कड़ी जुड़ रही है। आधुनिक तकनीक से युक्त नई बसें हमारे राज्य के परिवहन तंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होंगी। ये बसें न केवल यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और किफायती यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी, बल्कि प्रदेश की आर्थिक, सामाजिक और पर्यटन गतिविधियों में भी नई ऊर्जा का संचार भी करेंगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की भौगोलिक परिस्थितियां अन्य राज्यों की तुलना में चुनौतीपूर्ण हैं। राज्य के दुर्गम और सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं के लिए हमारे परिवहन नेटवर्क पर ही निर्भर हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। ऐसे में प्रभावी परिवहन तंत्र न केवल यात्रियों की सुविधा के लिए अति-आवश्यक है, बल्कि आर्थिक विकास में भी अपना योगदान देता है। राज्य के हर कोने को बेहतर सड़क नेटवर्क और विश्वसनीय परिवहन सेवाओं से जोड़ना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि सरकार उत्तराखंड परिवहन निगम को मजबूती प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जहाँ कुछ वर्ष पूर्व तक हमारा परिवहन निगम 500 करोड़ से भी अधिक के घाटे में था। पिछले तीन वर्षों से परिवहन निगम लगातार मुनाफे में है। इसके लिए उन्होंने परिवहन निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के कार्यों की प्रशंसा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि

इस दशक को उत्तराखण्ड का दशक बनाने के लिए हम आगे बढ़ रहे हैं। आज अनेक क्षेत्रों में उत्तराखण्ड देश की अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल है। नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्यों में राज्य को प्रथम स्थान मिला है, इसे बनाये रखना हमारे लिए चुनौती है। राज्य की जीएसडीपी तेजी से बढ़ी है और बेरोजगारी दर घटी है। जल्द ही बस बेड़े में इलेक्ट्रिक बसों का भी समावेश किया जायेगा। सरकार अपने चालक-परिचालकों की समस्याओं से भी भलीभांति परिचित है। इसके लिए चाहे डीए में बढ़ोतरी हो, 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करना हो या निगम में भर्तियों के माध्यम से मैन-पावर की समस्या का समाधान करना हो, हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ उनके कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। इस दीपावली के अवसर पर सेवाएं देने वाले चालकों, परिचालकों और तकनीकी कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि देने का भी फैसला किया गया है।

विधायक श्री विनोद चमोली ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में एक ही बार में बसों के बेड़े में 10 प्रतिशत की वृद्धि राज्य के लिए एक बड़ी सौगात है। इससे जहां लोगों का आवागमन सुगम होगा वहीं लोगों को अपनी विरासत से जोड़ने का कार्य मुख्यमंत्री ने किया है। उन्होंने कहा कि परिवहन निगम को और फायदे में लाने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है। आईएसबीटी का सौन्दर्यीकरण के साथ ही अतिक्रमण को रोकने के लिए निरंतर प्रयास करने होंगे।

इस अवसर पर विधायक श्री प्रमोद नैनवाल , श्रीमती सविता कपूर, मण्डल अध्यक्ष श्री संजीव सिंघल, गढ़वाल कमिश्नर श्री विनय शंकर पाण्डेय, उपाध्यक्ष एमडीडीए श्री बंशीधर तिवारी, अपर सचिव परिवहन निगम श्री नरेन्द्र जोशी, श्री अनिल गर्ब्याल एवं परिवहन निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सरस मेला के समापन कार्यक्रम में मंत्री गणेश जोशी ने किया प्रतिभाग

देहरादून । ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने आज रविवार को देहरादून के रेंजर्स ग्राउंड में आयोजित दस दिवसीय सरस मेला - 2024 के समापन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस दौरान ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया। इस दौरान ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने मेले में ओडिशा राज्य द्वारा लगाए गए स्टॉल से निर्मित पेंटिंग की खरीदकारी कर ऑनलाइन माध्यम से पेमेंट भी की किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी की पत्नी निर्मला जोशी भी उपस्थिति रही। इस अवसर पर ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने सरस मेला 2024 के सफलता के लिए ग्राम्य विकास विभाग ओर जिला प्रशासन के अधिकारियों कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमन्त्री का स्वप्न "लखपति दीदी" की संकल्पना को इस मेले के माध्यम से साकार किया गया है। उन्होंने कहा कि मेले में कुल बिक्री चार करोड छप्पन लाख अडलीस हजार छः सौ उनास्सी (4,56,48,679) हुई हैं। जिसके लिए कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने ग्राम्य विकास विभाग एवं जिला प्रशासन का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनपद देहरादून में कुल 12000 से अधिक एवं राज्य में कुल 1.35 लाख से अधिक लखपति दीदी अब तक बनाई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 तक 1.50 लाख लखपति दीदी के लक्ष्य से भी आगे जाएंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत उत्तराखण्ड के 13 जनपदों के 95 विकास खण्डों में चरण बद्ध तरीके से संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हमारी सरकारी महिलाओं की आजीविका संवर्धन हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे है।। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने राज्य में प्रति समूह 5 से 20 सदस्यों का जुडाव कर समूह का गठन किये जाने का प्राविधान है वर्तमान तक 67172 स्वयं सहायता समूह में 5 लाख समूह सदस्यों का जुड़ाव किया गया है। 15249 सदस्यों को सी0आर0पी0 के रूप में प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने कहा कि समूहों को तीन माह पूर्ण होने के उपरान्त प्रति समूह रू0 25000 रिवाल्विंग फण्ड (आर0एफ0) के रूप में 53790 समूहों का रिवाल्विंग फण्ड (आर0एफ0) प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा मार्गो पर समूहों के उत्पादों के विपणन हेतु 110 अस्थायी आउटलेटों की स्थापना की गयी।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।
सम्पादक: अवनीश कुमार, मो0 9410553400
ई-मेल: liveskgnews@gmail.com
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)
सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।